आश्विन शुक्ल - 5 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 76 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 08-10-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बहुजन को अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा हम करेंगे : राहुल

6 बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

7 भारत, यूएई खाद्य गलियारा स्थापित करने पर दो अरब डॉलर का निवेश करेंगे : गोयल

फर्स्ट टेक

नासा द्वारा निशाना बनाए गए एक क्षुद्रग्रह की ओर रवाना हुआ अंतरिक्ष यान

केप कैनावेरल (अमेरिका)/एपी। एक अंतरिक्ष यान सोमवार को उस क्षुद्रग्रह की ओर रवाना हुआ, जिसे एक परीक्षण अभियान के तहत अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने निशाना बनाया था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का 'हेरा' अंतरिक्ष यान छोटे और क्षुद्रग्रह की ओर दो साल की यात्रा पर रवाना हुआ। इसका मकसद उस दिन के मद्देनजर तैयार रहना है, जब कोई अंतरिक्ष चट्टान धरती की ओर आ सकती है। केप कैनावेरल से 'स्पेसएक्स' द्वारा प्रक्षेपित यह अभियान ग्रह रक्षा परीक्षण का दूसरा भाग है, जो किसी दिन पृथ्वी को बचाने में मददगार साबित हो सकता है।

हज 2025 के लिए 1,22,518 हाजियों का लॉटरी के जरिए हुआ चयन

नई दिल्ली/एजेंसी। हज 2025 के लिए सोमवार को यहां 1,22,518 हाजियों का लॉटरी के जरिए चयन हुआ। इसके लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया के ब्रांच कार्यालय में कम्प्यूटरीकृत लॉटरी निकाली गयी। इस प्रक्रिया को पहली बार लगभग 6000 से अधिक लोगों ने हज कमेटी ऑफ इंडिया की साइट पर देखा। लॉटरी का उद्घाटन हज कमेटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन ए.पी. अब्दुल्ला कुट्टी ने किया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मंत्राल के निदेशक एवं हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. लियाकत अली आफाकी ने बताया कि हज 2025 के लिए के समिति का कोटा 1,22,518 निर्धारित है, जबकि 1,51,918 सही आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से लगभग 20,000 आवेदन हज सेवा ऐप के जरिए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 24,484 आवेदन गुजरात से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 14,728 हाजियों और 3,717 महिलाओं का चयन बिना लॉटरी के किया गया है।

यूक्रेन ने रूस के तेल टर्मिनल को बनाया निशाना

कीव/एपी। यूक्रेन की सेना ने दावा किया कि उसने क्रीमिया में रूस के अहम तेल टर्मिनल को निशाना बनाया है जहां से रूसी सेना को युद्ध में तेल की आपूर्ति की जाती है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध अहम चरण में प्रवेश कर गया है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि रूस की ''सैन्य और आर्थिक संभावनाओं पर चोट पहुंचाने के इरादे' से उसके कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप के दक्षिण में स्थित फियोदोसिया तेल टर्मिनल पर हमला किया गया क्योंकि वहां से रूसी सेना को युद्ध के लिए तेल की आपूर्ति की जा रही थी।

सूर्यास्त 08-10-2024 6:05 बजे	सूर्योदय 09-10-2024 6:09 बजे
BSE 81,050.00 (-638.45)	NSE 24,795.75 (-218.85)
सोना 7,953 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 92,585 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या-क्या बाँटोगे

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

'विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होने तक चैन से नहीं बैठूंगा'

■ विश्व हमारे साथ जुड़ने, हमारे लोगों में निवेश करने और हमारी सफलता का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहले गुजरात और फिर केंद्र में सरकार के मुखिया के रूप में सार्वजनिक पद पर रहते हुए 23 वर्ष की अवधि पूरी करने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारतीयों को आश्वस्त किया कि वह और भी अधिक जोश के साथ अथक परिश्रम करते रहेंगे तथा तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे जब तक कि विकसित भारत का सामूहिक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता।

मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बहुत कुछ हासिल किया गया है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने 'एक्स' पर कई पोस्ट में कहा, ''सरकार के मुखिया के रूप में 23 वर्ष की अवधि पूरे होने पर मुझे आशीर्वाद और शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का हार्दिक आभार। सात अक्टूबर, 2001 को मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने की जिम्मेदारी संभाली थी। यह मेरी पार्टी भाजपा की महानता थी कि उसने मुझ जैसे कार्यकर्ता को राज्य प्रशासन का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी।''

मोदी ने कहा, ''जब मैंने मुख्यमंत्री का पद संभाला था तो गुजरात कई चुनौतियों 2001 का कच्छ भूकंप, इससे पहले 'सुपर साइक्लोन', भयंकर सूखा और कई दशकों के कांग्रेस का 'कुशासन' जैसे लूट, सांप्रदायिकता और जातिवाद का सामना कर रहा था। जनशक्ति से प्रेरित होकर हमने गुजरात का पुनर्निर्माण किया और इसे प्रगति की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, यहां तक कि कृषि जैसे क्षेत्र में भी जिसके लिए राज्य को पारंपरिक रूप से नहीं जाना जाता था।'' उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके 13 वर्ष के कार्यकाल के दौरान, राज्य 'सबका साथ, सबका विकास' का एक उज्ज्वल उदाहरण बनकर उभरा, जिससे समाज के सभी वर्गों के लिए समृद्धि सुनिश्चित हुई।

मोदी ने कहा कि 2014 में भारत की जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड बहुमत दिया जिससे वह प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने में सक्षम हुए। उन्होंने कहा, ''यह एक ऐतिहासिक क्षण था, क्योंकि 30 वर्षों में पहली बार किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला था।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''पिछले एक दशक में हम अपने देश के समक्ष मौजूद अनेक चुनौतियों का समाधान करने में सफल रहे हैं। पच्चीस करोड़ से अधिक लोग गरीबी के चंगुल से बाहर निकल गये हैं। भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इससे विशेष रूप से हमारे एमएसएमई, स्टार्ट-अप क्षेत्र तथा अन्य को मदद मिली है।'' उन्होंने कहा कि मेहनतकश किसानों, नारी शक्ति, युवा शक्ति और गरीबों के साथ-साथ समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खुल गए हैं।

भारत और मालदीव 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' पर सहमत हुए

भारत ने मालदीव को 40 करोड़ डॉलर की सहायता दी, ढांचागत परियोजनाओं में बढ़ाएंगे सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और मालदीव ने रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने के मकसद से सोमवार को 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली को लेकर समझौता किया। साथ ही बंदरगाह, सड़क नेटवर्क, स्कूल और आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में रूपे कार्ड भी जारी किया। इसके अलावा हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास आई थी। पांच दिन के राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की।

मालदीव के राष्ट्रपति को चीन के प्रति नरम रुख रखने के लिए जाना जाता है और पिछले साल नवंबर में शीर्ष पद के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए तुर्किये को चुना था।

दोनों पक्ष 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए एक दृष्टिकोण' पर भी सहमत हुए। यह एक दस्तावेज है जो सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है। बातचीत के बाद, भारत ने मालदीव को 70 सामाजिक आवास भी सौंपे। इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात-आयात बैंक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''कुछ समय पहले हमने मालदीव में रूपे कार्ड पेश किया। आने वाले समय में हम भारत और मालदीव को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) से जोड़ने की दिशा में काम करेंगे।'' प्रधानमंत्री ने मालदीव को 40 करोड़ डॉलर की सहायता की भी घोषणा की।

भारत-मालदीव स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करेंगे

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और मालदीव ने अपने द्विपक्षीय सहयोग को 'समग्र आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा साझीदारी' के रूप में आगे बढ़ाने की घोषणा करने के साथ ही मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत शुरू करने और स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करने का फैसला किया है।

हमें उम्मीद है कि मालदीव में और अधिक भारतीय पर्यटक आएंगे : मुइज्जू

नई दिल्ली/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को कहा कि भारत मालदीव के लिए सबसे बड़े पर्यटन स्रोत बाजारों में से एक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिक भारतीय पर्यटक इस द्वीपसमूह राष्ट्र का दौरा करेंगे। यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद एक प्रेस वार्ता में, मुइज्जू ने यह भी कहा कि मालदीव और भारत के बीच संबंध 'सदियों पुराने हैं, जैसा कि हमारे पूरे इतिहास में स्पष्ट रहा है'। उन्होंने कहा, ''हमारे लोगों के बीच संबंध लंबे समय से भारत और मालदीव के बीच संबंधों की नींव रहे हैं। कई मालदीववासी पर्यटन, चिकित्सा उद्देश्यों, शिक्षा और कई अन्य कारणों से भारत आते हैं। साथ ही, मालदीव में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, जो मालदीव के विकास में योगदान देते हैं।''

शाह ने नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने की प्रतिबद्धता दोहरायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर दोहराया है कि सरकार वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के साथ ही मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध हैं। शाह ने सोमवार को यहां वामपंथी उग्रवाद पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सलवाद से प्रभावित सभी राज्य के साथ मिलकर 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में देश के 8 करोड़ आदिवासी भाइयों और बहनों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सही अर्थ है कि देश की 140 करोड़ की जनता तक विकास पहुंचे, जिनमें हमारे 8 करोड़ जनजातीय भाई-बहन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विकास को सही मायनों में दूरदराज़ के इलाकों और जनजातीय लोगों तक पहुंचाने में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद है। नक्सलवाद गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, कनेक्टिविटी, बैंकिंग और डाक सेवाएं आदि नहीं पहुंचने देता। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने के लिए हमें नक्सलवाद को समूल नष्ट करना होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2019 से 2024 तक नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि , केन्द्र और राज्य सरकारों के साझा प्रयासों से वामपंथी अंधकार की जगह संविधान प्रदत्त अधिकारों को जगह देना और वामपंथी हिंसक विचारधारा की जगह विकास और विश्वास का एक नया युग शुरू करना चाहते हैं। हम वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस और सरकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत अमल से प्रभावित क्षेत्रों को पूर्ण विकसित बनाना चाहते हैं।

'नौकरी के बदले जमीन' मामले में

लालू प्रसाद, तेजस्वी, तेज प्रताप की जमानत अर्जी मंजूर

नई दिल्ली/एजेन्सी। जमीन लेकर रेलवे की नौकरी देने के अभियोग का सामना कर रहे पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके बेटों तेजस्वी तथा तेज प्रताप यादव की जमानत की अर्जी को यहां धन शोधन मामलों की सुनवाई करने वाली राउज एवेन्यू स्थित अदालत ने सोमवार को कुछ शर्तों के आधार पर स्वीकार कर लिया। मामले में आरोपियों की अर्जी की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर यह राहत दी।

'ऑल्ट-न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ गाजियाबाद में प्राथमिकी दर्ज : पुलिस

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। विवादों में रहने वाले महंत यति नरसिंहानंद के एक सहयोगी की शिकायत के बाद, धार्मिक समूहों के बीच कथित तौर पर वैमनस्य को बढ़ावा देने और अन्य अपराधों को लेकर 'ऑल्ट न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ यहां एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपनी कथित टिप्पणियों को लेकर नरसिंहानंद कई प्राथमिकियों और मुस्लिम समूहों के विरोध-प्रदर्शन का सामना कर रहे हैं।

यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन की महासचिव उदिता त्यागी ने कविनगर पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जुबैर ने तीन अक्टूबर को नरसिंहानंद के एक पुराने कार्यक्रम की वीडियो क्लिप पोस्ट की, ताकि मुसलमानों को उनके खिलाफ हिंसा भड़काने के लिए उकसाया जा सके।

इजराइल में हमास के हमले का एक साल पूरा, कई कार्यक्रमों का आयोजन, युद्ध जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल के इतिहास में सबसे घातक, हमास के सात अक्टूबर को किए हमले के एक साल पूरे होने पर सोमवार को देशवासी रैली निकाल रहे हैं और शोक समारोह आयोजित कर रहे हैं। इस हमले ने गाजा में युद्ध को जन्म दिया और इजराइलियों को कभी न भूलने वाला घाव दे दिया। एक प्रमुख यहूदी अवकाश वाले दिन सीमा पार से किए गए इस हमले ने इजराइलियों के सुरक्षित होने के भरम को तोड़ दिया और नेताओं तथा सेना में उनके विश्वास को हिला कर रख दिया।

इस हमले की गूंज एक साल बाद भी सुनायी दे रही है। गाजा में युद्ध आक्रामक हो गया है, इजराइल हिजबुल्ला के खिलाफ एक नया युद्ध लड़ रहा है और ईरान के साथ संघर्ष गहरा रहा है जिससे इस क्षेत्र के और खतरनाक संघर्ष की ओर बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

युद्ध की तबाही झेल रहे गाजा में कोई औपचारिक स्मारक कार्यक्रम की योजना नहीं है। इजराइलियों के सैकड़ों मृतकों, आतंकवादियों के कब्जे में कई बंधकों और उन्हें बचाने के लिए मारे गए या घायल हुए सैनिकों की याद में देशभर में समारोहों, कब्रिस्तानों और स्मारक स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

एक साल पहले आज ही के दिन सुबह ठीक साढ़े छह बजे जब हमास ने हमला शुरू किया था तो नोवा संगीत महोत्सव में मारे गए लोगों के परिवारजन उस स्थल पर एकत्रित हुए जहां करीब 400 लोगों को गोली मार दी गयी थी और कई अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था।

हम जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तट पर अभियान शुरू करेंगे : इजराइली सेना

इजराइल की सेना ने कहा है कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तट पर अभियान शुरू करेगी। उसने भूमध्य सागर के 60 किलोमीटर क्षेत्र में निवासियों तथा मछुआरों को समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी दी है। सेना के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस तरह का अभियान चलाया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए लिए आयोजित की नेत्रदान जागरुकता संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित विजन फॉर विजनलेस अभियान के तहत तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवनमें आयोजित वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन में नेत्रदान जागरुकता संगोष्ठी का आयोजन किया। नारायण नेत्रालय से डॉ. तेजश्री ने नेत्रदान के बारे मे संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए नेत्रदान का महत्त्व बताया। तथा उपस्थित जनों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर, अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, किशोर मंडल से प्रज्ज्वल बाफना उपस्थित रहे।

माजीसा भक्त मंडल ने लाभार्थियों व विजेताओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माँ माजीसा भक्त मंडल अक्कीपेट के तत्वावधान में निःशुल्क रुप से सामूहिक माँ की भक्ति गरबा एवं डांडिया रास के चौथे दिन विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस मौके पर लाभार्थियों, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं, लक्की ड्रॉ विजेता, निशुल्क कार्यक्रम स्थल प्रदाता, चुनड़ी व प्रसादी लाभार्थियों का सम्मान किया गया। शनिवार को रात्रि में जागरण तथा सुबह होम कराया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत, ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, अशोक कटारिया संघवी, दलीचंद कर्णावत,र मेश बंदामुथा, किशोर पालगोता चौहान सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'विनयाचरण से व्यक्ति धीर व साहसी बनता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार के धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी म.सा. ने कहा कि परिषह संयम जीवन की कसौटी है। जो साधक संयमी आत्मा की अपनी चारित्र साचना में पग-पग पर और हर सम-विषम परिस्थिति में अपनी दृढ़ता, धैर्य और सहनशीलता की परीक्षा लेते हुए साधक के जीवन को मुक्ति पद की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होती है।

विनयाचरण से व्यक्ति धीर व साहसी बनता है और अपने संयम जीवन में आने वाल हर परिषहों, कष्टों से, अन्तर वाध्य सब संघर्षों में विजयी होकर जीवन संग्राम का सफल विजेता बनता है। साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से संयमी जीवन के बाईस परिषह पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि साधनामार्ग से विचलित न होते हुए एकांत कर्म निर्जरा के हेतु से संयम साधना के मार्ग में आने वाले कष्टों को समभावपूर्वक सहन करना, परीषहों को जीतना साधक को संयम पथ पर विचलित नहीं होकर आत्मा के भेद-विज्ञान को पुष्ट करता हैं। साध्वीश्री ने अनेक रूपकों के माध्यम से मानव जीवन के कल्याण -सारभूत तत्त्वों का कथन समझाया।

सम्मान
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के महिला एवं बाल दशहरा उपसमिति की ओर आयोजित कार्यक्रम में अपनी श्रेष्ठ सेवाएं देने पर स्थानीय हैल्पिंग हैंड्स जैन यूथ ऑर्गेनाइजेशन के सदस्य सुरेश बोहरा व कोषाध्यक्ष राजन बाघमार का मैसूरु प्रशासन व मैसूरु जिला प्रभारी महादेवप्पा ने सम्मान किया।

डांडिया और गरबा के धुन पर देर रात तक झूमते रहे युवा वर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नवरात्रि केउपलक्ष्य में इंटरनेशनल वेश्य फेडरेशन कर्नाटक और मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने 'डांडिया नवरास 4.0' का आयोजन प्रिंसेस श्राइन सभागार में किया। हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों की उपस्थिति रही। संदीप बराड़िया ने मंच की कमान संभाली।

इस अवसर पर गुजरात के प्रसिद्ध गायक अंकित मेवाडा , सचिन सालवी और उनके साथियों ने डांडिया और गरबा के मनोरंजक गीत पर सभी को खूब गरबा व डांडिया रास करवाया। दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के बीच में लक्की विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही विभिन्न वर्गों में बेस्ट डांसर, बेस्ट ड्रेस, दमदार जोड़ी, एनर्जेटिक डांसर आदि विजेताओं को भी सम्मानित किया।

श्याम सेवा संघ के वार्षिक उत्सव में गूंजे बाबा के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम सेवा संघ द्वारा श्याम प्रभु खाटू वाले का द्वितीय वार्षिक उत्सव महाराजा अग्रसेन भवन में मनाया गया। इस मौके पर भव्य श्रृंगार, छप्पन भोग, भजन कीर्तन एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

कोलकाता से आए भजन गायक सौरभ शर्मा ने एक से बढ़कर एक श्याम भजनों की प्रस्तुति दी। सभागार में खाटू वाले बाबा श्याम के जयकारे गूंजते रहे। श्याम सेवा संघ के सभी सदस्यों का व्यवस्था में सहयोग रहा।

भविष्य को अपने नियंत्रण में लेने के लिए समय का नियोजन जरूरी : साध्वी सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेयुप विजयनगर के निर्देशन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में किशोर मंडल द्वारा 'मैं और मेरा भविष्य' नामक बेंगलूरु स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि सभी प्रतिभागियों को लक्ष्य समय नियोजन को जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। किशोर मंडल प्रभारी अमित दक व महिला उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने विचार व्यक्त किए।

मुख्य वक्ता अरविंद मांडोत का परिचय प्रिंस मांडोत ने दिया। प्रशिक्षक अरविंद ने कार्यशाला को इंटरएक्टिव, क्रिएटिव, क्राफ्ट के माध्यम से संपादित करते हुए लक्ष्य निर्धारण को महत्वपूर्ण बताया। लक्ष्य प्राप्ति हेतु समयबद्ध कार्ययोजना के लाभ बताए्। जीवन में बड़े लक्ष्य का निर्धारण करने से ऊर्जा का सही उपयोग होता है। भविष्य में लक्ष्य प्राप्ति हेतु वर्तमान में लिए गए छोटे छोटे कदमों की सुखद निष्पति रहेगी।

इस मौके पर अभातेयुप, तेयुप व किशोर मंडल के सदस्य उपस्तित थे। अरविंद मांडोत का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संचालन तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने किया। अंत में किशोरमंडल संयोजक हर्ष मांडोत ने धन्यवाद दिया।

मां सरस्वती की आराधना से प्राप्त होता है ज्ञान : मुनिश्री राजपद्मसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चामराजपेट स्थित शीतलनाथ प्रभु प्रवचन हॉल मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में पांच दिवसीय श्रुतदेवी मां सरस्वती की साधना का आयोजन किया गया। इस मौके पर सभागार में श्वेत रंग से आकर्षक साधना कक्ष बनाया गया। इस मौके पर सरस्वती की महिमा का गान करते हुए मुनिश्री राजपद्मसागरजी म.सा ने कहा कि सरस्वती की साधना एवं आराधना करने से विद्यार्थी की याददाश्त बढ़ती है।

सरस्वती की आराधना व मंत्रजाप करने से स्मरण शक्ति मजबूत होती है। भारतीय संस्कृति में भी अनेक कवियों ने मां सरस्वती की महिमा गाई है। कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्यजी ने मां सरस्वती की साधना करके साढ़े तीन करोड श्लोकों की रचना की थी। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि ज्ञान के आधार पर ही व्यक्ति का जीवन सफल बनता है और ज्ञान की प्राप्ति मां सरस्वती की आराधना से होती है। संतद्वय ने आयोजक ट्रस्ट मडल एवं लाभार्थी परिवार की अनुमोदना की।

कर्नाटक के पूर्व विधायक के भाई का शव बरामद, रविवार से लापता थे

मंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व विधायक मोहिदीन बावा के छोटे भाई का शव 12 घंटे की तलाश के बाद सोमवार को फाल्गुनी नदी के मुहाने से बरामद हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बी एम मुमताज अली (52) रविवार सुबह से लापता थे और उनकी कार कुलूर ब्रिज के पास लावारिस और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली थी। अली एक प्रमुख व्यवसायी और 'मिस्बाह ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस' के अध्यक्ष तथा स्थानीय समुदाय में एक रसूखदार व्यक्ति थे। पुलिस के अनुसार, वह रविवार को सुबह करीब तीन बजे अपने घर से अपनी गाड़ी लेकर निकले और शहर में घूमते हुए करीब पांच बजे कुलूर ब्रिज के पास उन्होंने अपनी गाड़ी खड़ी कर दी। उनके आखिरी व्हाट्सअप संदेश से चिंतित होकर उनकी बेटी ने तुरंत स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने बताया कि उनके लापता होने के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। उनके बड़े भाई बावा सहित परिवार के सदस्य घटनास्थल पर मौजूद थे। कावूर पुलिस थाने में छह आरोपियों के खिलाफ पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। इन लोगों पर धमकी देने, ब्लैकमेल करने और अली से लाखों रुपए जबरन वसूलने तथा और अधिक धन की मांग करने का आरोप है। शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए मंगलुरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल), एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन बल) और अग्निशमन विभाग की टीम को तैनात किया। शव का पता लगाने के लिए करीब छह टीम लगातार काम कर रही थीं... आज सुबह छह बजे हमने फिर से अभियान शुरू किया और करीब 10:15 बजे शव बरामद हुआ। शव को पोस्टमार्टम और आगे की जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों से अली को ब्लैकमेल किया जा रहा था। लोग वीडियो जारी करने की धमकी देकर उनसे पैसे मांग रहे थे। उन्होंने बताया, परिवार के सदस्यों की जानकारी के अनुसार कुछ 'सेक्स वीडियो' थे, जिनके आधार पर उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा था। इस प्रक्रिया में उन्होंने करीब 50 लाख रुपये का भुगतान किया। उन पर और पैसे देने का दबाव बनाया गया। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों द्वारा की गई शिकायत के आधार पर जबरन वसूली और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। परिजनों ने अली को ब्लैकमेल करने वाले छह लोगों के नाम बताए जो गिरोह से संबद्ध हैं। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए शहर के एजे अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस के मुताबिक, आत्महत्या से पहले अली ने व्हाट्सअप पर अपने परिवार के समूह को एक 'वॉयस मैसेज' भेजा जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने पहले ही आरोपियों को 50 लाख रुपये दे दिए थे और बाद में 25 लाख रुपये का अतिरिक्त भुगतान करने के लिए एक चेक भी जारी कर दिया था। आरोपी लगातार अली पर और अधिक धन देने का दबाव बना रहे थे और मांगें नहीं मानने पर उनकी कथित वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दे रहे थे। आयुक्त ने बताया, अपने वॉयस मैसेज में अली ने आरोपी सत्तार सहित कई लोगों का नाम लिया है। हम पूरे मामले की गहन जांच कर रहे हैं।'' रविवार को कुल्लूर पुल के निकट के सीसीटीवी की जांच में पता चला कि मुमताज की बीएमडब्ल्यू कार पहले एमसीएफ गेट के पास एक निजी बस से टकरा गयी थी, जिसके बाद वह वापस कुल्लूर पुल पर पहुंचे और फिर उन्होंने फाल्गुनी नदी में छलांग लगा दी। अग्रवाल ने बताया कि सभी छह आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है, जिससे वह देश छोड़कर न भाग सकें। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला रहमत समेत अन्य आरोपियों की पहचान अब्दुल सत्तार, शफी, मुस्तफा, शोएब और सत्तार के कार चालक सिराज के रूप में की गयी

अमेजन ने एमएक्स प्लेयर ऐप का अधिग्रहण किया, मिनीटीवी के साथ मिलाकर किया पेश

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन ने कहा कि उसने मुफ्त स्ट्रीमिंग ओटीटी मंच एमएक्स प्लेयर का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि उसने अपनी कंटेंट स्ट्रीमिंग सेवा मिनीटीवी के साथ एमएक्स प्लेयर को मिलाकर 'अमेजन एमएक्स प्लेयर' पेश किया है। अमेजन ने अधिग्रहण के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया। इस विलय का मकसद प्रीमियम स्तर के मुक्त मनोरंजन को बड़े दर्शकों तक पहुंचाना है।

बयान में कहा गया, ''अमेजन ने हाल में एमएक्स प्लेयर की कुछ संपत्तियों का अधिग्रहण किया है, जिसमें भारत में एक प्रमुख मुफ्त स्ट्रीमिंग ओटीटी सेवा एमएक्स प्लेयर ऐप भी शामिल है।'' बयान के मुताबिक इस अधिग्रहण के साथ, अमेजन इंडिया की दो सबसे लोकप्रिय मुफ्त सेवाओं - एमएक्स प्लेयर और अमेजन मिनीटीवी को एक सेवा - अमेजन एमएक्स प्लेयर में मिलाया गया है। यह सेवा मोबाइल पर ऐप, अमेजन डॉट इन शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, फायर टीवी और कनेक्टेड टीवी के जरिये उपलब्ध है।

अधिकारी जब तक शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात का समय नहीं बताते हम लद्दाख भवन में डटे रहेंगे : वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को कहा कि वह और उनके समर्थक तब तक लद्दाख भवन में रहेंगे जब तक अधिकारी यह नहीं बता देते कि कब वे देश के शीर्ष नेतृत्व से मिल सकते हैं।

वांगचुक ने कहा कि प्रदर्शनकारी लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं और यह असामान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वे यहां सत्तारूढ़ भाजपा को यह याद दिलाने आए हैं जिसका वादा उसने चुनाव के दौरान किया था। मौजूदा समय में छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों को ''स्वायत्त जिलों और स्वायत्त क्षेत्रों'' के रूप में प्रशासन से संबंधित है। वांगचुक और उनके समर्थकों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने पर रविवार को लद्दाख भवन में ही अपना अनिश्चितकालील अनशन शुरू कर दिया। वांगचुक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम तब तक यहां बैठेंगे जब तक हमें जवाब नहीं मिल जाता कि हम अपने नेताओं से कब मिल पाएंगे। हमने 30-32 दिन तक पैदल यात्रा की है, हम कम से कम एक मुलाकात के तो हकदार हैं।'' जलवायु कार्यकर्ता ने कहा कि लद्दाख के लोगों ने इसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया था क्योंकि उन्हें विधानसभा और छठी अनुसूची में शामिल करने का वादा किया गया था। उन्होंने कहा, '' हम कोई असामान्य मांग नहीं कर रहे हैं, हम भाजपा को उसके घोषणापत्र में किए गए वादों की याद दिलाने आए हैं।'' वांगचुक और उनके समर्थक मांग को लेकर लेह से दिल्ली तक पैदल चलते हुए पहुंचे और 30 सितंबर को राजधानी की सिंघू सीमा पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

कच्चे तेल की कीमतों पर भारत की नजर, चुनौतियों से निपटने को लेकर आश्वस्त: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के साथ, भारत स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और किसी भी चुनौती से निपटने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें लगभग 70 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई हैं।

पुरी ने यहां एक्सॉनमोबिल ग्लोबल आउटलुक 2024 में कहा, ''हम स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है तो ऊर्जा उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। लेकिन अभी आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई है और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक देश भारत किसी भी स्थिति से निपटने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है।'' पुरी ने कहा कि तेल की कोई कमी नहीं है और भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने को लेकर आश्वस्त है। ईरान के मिसाइल हमले के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इजराइल ईरान में तेल प्रतिष्ठानों या परमाणु संयंत्रों को निशाना बना सकता है। दूसरी तरफ ईरान, इजराइल पर सीधा हमला करके या फिर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन केंद्र... होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करके जवाब देने का विकल्प चुन सकता है। इससे तेल की कीमतें और बढ़ जाएंगी। ओमान और ईरान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक तेल का पांचवां हिस्सा जलडमरूमध्य से गुजरता है। सभी प्रमुख तेल उत्पादकों - सऊदी अरब, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात से तेल इस रास्ते निर्यात किया जाता है। केवल सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास परिचालन पाइपलाइन है जिस पर होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से असर नहीं होगा। तेल के दाम में कटौती की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पुरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल का मूल्य बाजार आधारित है और पेट्रोलियम कंपनियां मूल्य निर्धारण संबंधी निर्णय लेती हैं। उन्होंने कहा, ''यह मनाइये कि स्थिति बिगड़े नहीं। हम स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रख रहे हैं।''

कुछ समय पहले तक पेट्रोल और डीजल के दाम में कटौती की उम्मीद थी। हालांकि, हाल में दाम में वृद्धि से इस पर लगाम लग गया है।

गुजरात में कच्छ तट के पास से 120 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद

गांधीधाम (गुजरात)/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में गांधीधाम शहर के निकट एक खाड़ी क्षेत्र से 12 किलोग्राम कोकीन से भरे दस लावारिस पैकेट बरामद किए गए हैं, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 120 करोड़ रुपए आंकी गई है। कच्छ-पूर्व संभाग के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्करों ने संभवत: पकड़े जाने से बचने के लिए खाड़ी के पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ छिपाया होगा। उन्होंने बताया कि एक साल में इसी खाड़ी क्षेत्र से मादक पदार्थ की यह तीसरी बड़ी बरामदगी है।

बन्नरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान में सफारी बस पर अचानक चढ़ा तेंदुआ, वीडियो वायरल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के समीप बन्नरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों के एक समूह के लिए सफारी का रोमांच उस समय डर में बदल गया जब एक तेंदुआ उनकी बस की खिड़की पर अचानक चढ़ गया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिसमें तेंदुआ न केवल खिड़की पर चढ़ने की कोशिश करते हुए दिखायी दे रहा है बल्कि उसे खिड़की से भयभीत पर्यटकों की ओर झांकते हुए भी देखा जा रहा है। बाद में तेंदुए ने बस के ऊपर चढ़ने की कोशिश की। हालांकि, चालक ने धीरे-धीरे बस आगे बढ़ानी शुरू की और बाद में तेंदुआ जंगल की ओर लौट गया। अधिकारियों के अनुसार, एक सफारी के दौरान रविवार को यह घटना उस वक्त हुई जब चालक ने वन्यजीवों को करीब से दिखाने के लिए बस आगे बढ़ायी। तभी अचानक एक तेंदुआ बस की खिड़की पर चढ़ गया। पर्यटकों ने इस घटना को कैमरे में कैद कर लिया। एक अधिकारी ने बताया, पर्यटक स्तब्ध रह गए और शुरुआत में डर गए लेकिन जल्द ही वे इसका आनंद उठाने लगे। तेंदुए के अचानक आने से थोड़ी देर के लिए भय की स्थिति बन गयी लेकिन पर्यटक जल्द ही संभल गए और इस दुर्लभ दृश्य का आनंद उठाने लगे। चूंकि सभी सफारी वाहनों में जालीदार खिड़कियां होती हैं तो वे (पर्यटक) सभी सुरक्षित थे। कोई अनहोनी नहीं हुई।

मुडा घोटाले से संबंधित 'फाइल स्थानांतरित' करने पर मंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरटीआई (सूचना का अधिकार) कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले से संबंधित महत्वपूर्ण फाइल और दस्तावेजों को कथित रूप से स्थानांतरित करने के मामले में राज्य के शहरी विकास मंत्री बैयरती सुरेश के खिलाफ सोमवार को शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन को सौंपी गई शिकायत में कृष्णा ने मैसूरु के लोकायुक्त के पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुजीत पर भी इस साल जुलाई में दस्तावेजों को स्थानांतरित करने में मंत्री के साथ ''साठगांठ'' करने का आरोप लगाया। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि जब एमयूडीए घोटाला सामने आया था तब तत्कालीन मैसूरु लोकायुक्त एसपी सुजीत ने शहरी विकास मंत्री को कथित तौर पर सतर्क किया था जिसके बाद मंत्री हेलीकॉप्टर से मैसूरु पहुंचे और घोटाले से संबंधित महत्वपूर्ण फाइल एवं दस्तावेज ले गए। सुजीत ने इन फाइल को स्थानांतरित करने में मंत्री की कथित तौर पर मदद की थी। लोकायुक्त पुलिस ने अदालत के आदेश के बाद एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रवर्तन निदेशालय ने राज्य लोकायुक्त की एक हालिया प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ एमूयडीयू भूमि आवंटन मामले के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया है।

सोमवार को बेंगलूरु में 'कृष्णा' में सरकारी स्तर पर विभिन्न विभागों की नियुक्तियों पर प्रगति समीक्षा बैठक करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

मुख्यमंत्री ने 34863 रिक्त पदों को समय-सीमा में भरने के दिए निर्देश

भर्ती प्रणाली में व्यापक सुधार की जरूरत : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य में भर्ती प्रणाली में व्यापक सुधार लाने और यूपीएससी मॉडल पर एक समान भर्ती प्रणाली लागू करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने आज 'कृष्णा' में सरकारी स्तर पर विभिन्न विभागों में नियुक्तियों की प्रगति की समीक्षा की। भर्ती प्रक्रिया में सुधार को लेकर पिछले सप्ताह सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सभी भर्ती प्राधिकारियों की बैठक हुई थी। मुख्यमंत्री ने बैठक में की गयी अनुशंसाओं की समीक्षा कर सुधारात्मक उपाय लागू करने का निर्देश दिया। यूपीएससी केवल ग्रुप ए और ग्रुप बी पदों के लिए भर्ती कर रहा है। इसी तरह, केपीएससी द्वारा केवल ग्रुप ए और बी के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित करने और केईए द्वारा ग्रुप सी जैसी अन्य भर्तियों के लिए भी चर्चा की गई है।मुख्यमंत्री ने 371जे के संबंध में कल्याण कर्नाटक के मूल निवासियों के लिए आरक्षित सीधी भर्ती के पदों को भरने के संबंध में 2023 में जारी परिपत्र का पालन करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने विभिन्न विभागों में रिक्त 34863 पदों को भरने के लिए समय सीमा तय कर भर्ती प्रक्रिया के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने आवश्यक सेवा वाले विभागों में भर्ती को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये।

भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार करने की कठिनाई को दूर किया जाना चाहिए। वित्तीय वर्ष की शुरुआत में संबंधित विभाग भर्ती के लिए रिक्त पदों के संबंध में वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजें। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को समय-सीमा में वित्त विभाग से अनुमोदन प्राप्त कर पूरा करने के लिए एक समान कैलेंडर तैयार किया जाए। मुख्यमंत्री ने भर्ती प्रक्रिया का केरल मॉडल पर भ्रमण कर निरीक्षण करने के निर्देश दिये। पीएसआई भर्ती में सबसे पहले फिजिकल टेस्ट और एक्साइज विभाग की भर्ती में सबसे पहले लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। उन्होंने पीएसआई भर्ती में भी आबकारी विभाग का मॉडल अपनाने पर समीक्षा करने के निर्देश दिये। भर्ती नियमों में संशोधन नहीं होने से प्रदेश के 41 विभागों की भर्तियों में देरी हो रही है। कुछ विभागों में, सीआर में दशकों से संशोधन नहीं किया गया था। इस पृष्ठभूमि में उन्होंने सभी विभागों की सुविधा के लिए मॉडल सी एवं आर तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ बैठक में मंत्री जी परमेश्वर, एचके पाटिल, प्रियंका खरगे, दिनेश गुंडुराव, डॉ. शरण प्रकाश पाटिल, मधु बंगारप्पा, बैरती सुरेश, डॉ. एम.सी. सुधाकर, मुख्य सचिव, सरकार शालिनी रजनीश, उप मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एल.के. अतीक, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना, महाधिवक्ता शशिकिरण शेट्टी और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या जातिवार जनगणना के जरिए 'मुडा' से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या अपने खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में लोगों का ध्यान भटकाने के लिए जाति आधारित जनगणना के मुद्दे को सामने लाकर ''नाटक'' करने की कोशिश कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार लोगों को गुमराह करने के लिए अपनी गलतियों को ढकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इस रिपोर्ट की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाया जो करीब 10 साल पहले तैयार की गई थी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सिद्दरामय्या ने आज पिछड़ा वर्ग समुदायों के मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक की। बताया जाता है कि उन्होंने सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वे रिपोर्ट पर चर्चा की, जिसे जाति आधारित ''जनगणना'' के रूप में जाना जाता है। राज्य के गृह मंत्री जी परवेश्वर ने रविवार को कहा था कि सरकार ने कैबिनेट के समक्ष जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट रखने का निर्णय लिया है, जहां इस पर चर्चा की जाएगी और यह फैसला किया जाएगा कि इसे विधानमंडल में रखा जाए या इसे सीधे लोगों के बीच।

कुमारस्वामी ने कहा, (एच) कंथाराजू समिति (जाति आधारित जनगणना के लिए) कब बनी थी? शायद 2014 में बनी थी। दस साल हो गए हैं। जाति आधरित जनगणना करीब दस साल पहले हुई थी। इस अवधि के

दौरान कई तरह के विकास और बदलाव हुए हैं....पुरानी जनगणना रिपोर्ट को जारी नहीं किया गया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि एक दशक पहले की गई इस जाति आधारित जनगणना से किसी भी समुदाय को कोई लाभ नहीं होगा।

कुमारस्वामी ने कहा, ''मुझ पर (कांग्रेस द्वारा) आरोप लगाया गया कि मैंने रिपोर्ट जारी नहीं होने दी। सिद्दरामय्या को (जयप्रकाश हेगड़े समिति द्वारा) रिपोर्ट सौंपे हुए कितना समय हो गया है? यह संसदीय चुनाव से पहले दी गई थी। अब तक इस पर कोई चर्चा नहीं थी और अब एमयूडीए घोटाले की पृष्ठभूमि में यह सरकार लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है तथा जातिवार जनगणना की आड़ लेकर बचना चाहती है।''

यह रिपोर्ट 2014-15 में राज्य भर से जुटाये गए आंकड़ों पर आधारित है। इसे समाज के कुछ वर्गों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर से भी आपत्तियों के बीच प्रस्तुत किया गया।

कर्नाटक के दो प्रमुख समुदाय 'वोक्कालिगा और लिंगायत' इस (जाति आधारित) सर्वेक्षण पर आपत्ति जताते हुए इसे ''अवैज्ञानिक'' करार दे चुके हैं तथा उनकी मांग है कि इसे खारिज किया जाए और नया सर्वेक्षण कराया जाए। सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) ने 2015 में 170 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राज्य में यह सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी. के. हरिप्रसाद के रविवार को कहा था कि जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए और लागू किया जाना चाहिए, भले ही इसके कारण सरकार गिर जाए। उनके इस बयान पर कुमारस्वामी ने कहा, उन्हें (कांग्रेस को) जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर चुनाव में जाने दीजिए। वे विधानसभा भंग करें और इसे लागू करने का वादा करते हुए एक बार फिर चुनाव मैदान में जाएं। जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा की गई गलतियों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए उन्होंने जाति आधारित जनगणना के संबंध में ''नाटक'' शुरू कर दिया है।

सोमवार को तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई स्थित अरुणाचलेश्वर मंदिर का दौरा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने भगवान अरुणाचलेश्वर का आशीर्वाद लिया

तिरुवन्नामलाई/दक्षिण भारत। सोमवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तिरुवन्नामलाई में भगवान अरुणाचलेश्वर का आशीर्वाद लिया।

उन्होंने कहा कि मैंने 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले इस मंदिर में भगवान अरुणाचलेश्वर का आशीर्वाद लिया था। मैंने भगवान से प्रार्थना की थी कि वे मुझे राज्य में अच्छा प्रशासन देने की शक्ति दें। मैं राज्य के कल्याण के लिए उनका आशीर्वाद लेने के लिए फिर से यहां आ रहा हूं। मंदिर में पूजा करने के बाद उन्होंने मीडिया से कहा, यह लोगों का प्यार है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर की वास्तुकला अद्भुत है और कारीगरों ने 1000 साल पहले ही इतना बढ़िया काम किया था। तमिलनाडु सरकार द्वारा मंदिर का रखरखाव मेरी पिछली यात्रा की तुलना में उत्कृष्ट है। मुझे खुशी है कि मैंने एक साल बाद फिर से मंदिर का दौरा किया।

दपरे ने सतर्कता और असुरक्षित घटनाओं को रोकने में तत्परता के लिए कर्मचारियों को सम्मानित किया

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत । यहां दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने सोमवार को विभागाध्यक्षों के साथ सुरक्षा बैठक की। इस महत्वपूर्ण बैठक के बाद, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को महीने के सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा पुरुष पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कर्तव्य में खुद को प्रतिष्ठित किया और अपनी अनुकरणीय सुरक्षा चेतना और सूझबूझ का परिचय दिया, जिससे दक्षिण पश्चिम रेलवे में असामान्य दुर्घटनाएँ टल गईं।

महाप्रबंधक के 17 लोगों को सम्मानित किया। बैठक के दौरान दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राहुल गांधी के सक्रिय होते ही भाजपा और नरेंद्र मोदी हो उठे हैं परेशान : ईश्वर खांडरे

बेंगलूरु। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आईएएनएस से बातचीत में कहा था कि राहुल गांधी जब विपक्ष के नेता बने, तो मुझे लगता कि सुधर जाएंगे, मगर वह तो और भी बिगड़ गए हैं। पहली बार ऐसा हुआ कि लोकसभा और राज्यसभा में प्रधानमंत्री को बोलने नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री के भाषण के समय में वह वेल में कूद गए। क्या भारत के इतिहास में किसी प्रधानमंत्री के बोलते समय ऐसा व्यवधान डाला गया है? वह देश विरोधी बातें करते हैं और देश विरोधियों के साथ खुलेआम घूमते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने राहुल गांधी के उदय से भाजपा में बेचैनी की बात कही।

उन्होंने आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा, राहुल गांधी के उदय के बाद से ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी और बीजेपी परेशान हैं। जैसे ही राहुल गांधी ने सक्रियता दिखाई, उनकी आवाज को सुनने का दबाव बढ़ गया है। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए हैं, इनमें बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और महिलाओं की सुरक्षा शामिल हैं। बीजेपी अब इन मुद्दों पर विचार कर रही है, जो उनकी सक्रियता का परिणाम है। राहुल गांधी ने जो 2013 का भूमि अधिग्रहण कानून का मुद्दा उठाया था, उस पर भी बीजेपी को विचार करना पड़ा। यह सब दर्शाता है कि राहुल गांधी की आवाज का असर हो रहा है। किसान अगर राहत प्राप्त कर रहे हैं, तो उसका श्रेय राहुल गांधी को जाता है। उन्होंने कहा, किरण रिजिजू ने एक और बात कही कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ओबीसी को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी उनकी मुख्य समस्याओं को समझते नहीं हैं। लेकिन सच यह है कि कांग्रेस ने इस देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा को आगे बढ़ाया है। महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण देने का काम किसने किया?

विजयेंद्र येडीयुरप्पा की मंत्री जारकीहोली से मुलाकात के बाद राजनीतिक अटकलें तेज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के भाई डी के सुरेश ने सोमवार को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली से अलग-अलग मुलाकात की जिसके बाद राजनीतिक कयास लगने शुरू हो गए। लोकायुक्त पुलिस द्वारा मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के बाद हो रहीं अनेक राजनीतिक चर्चाओं के बीच ये बैठकें हुईं। इनसे इन अटकलों को बल मिला कि विधान सौध में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर प्रयास हो रहे हैं।

भाजपा नेता विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने शिकारीपुरा से विधायक होने के नाते अपने क्षेत्र में कुछ लोक निर्माण कार्य कराने के लिए जारकीहोली से मुलाकात की।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने मंत्री के साथ खासकर मुख्यमंत्री बदलने की संभावना पर, कोई राजनीतिक चर्चा की, तो विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा सिद्दरामय्या से इस्तीफा देने की मांग कर रही है ताकि एमयूडीए घोटाले और कर्नाटक वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले की पारदर्शी जांच हो सके।

उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि सिद्दरामय्या सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, विकास कार्य शुरू नहीं हुए हैं, राज्य में अराजकता व्याप्त है और लोगों का इस सरकार पर से विश्वास भी उठ गया है। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट से तीन बार कांग्रेस सांसद रहे सुरेश ने भी जारकीहोली से अपनी मुलाकात की लगभग ऐसी ही वजह बताई और कहा कि उन्होंने कनकपुरा और आसपास के क्षेत्रों में निर्माण कार्य के संबंध में मंत्री से मुलाकात की।

जब सुरेश से पूछा गया कि क्या उन्होंने राजनीतिक चर्चा की तो उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। सुरेश ने कहा, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई जिसे मीडिया के साथ साझा किया जा सके। बैठक को लेकर अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए जारकीहोली ने कहा कि लोगों को इन बैठकों का अधिक मतलब नहीं निकालना चाहिए क्योंकि दोनों नेता अपने-अपने क्षेत्रों के कार्यों के लिए मिलने आए थे।

केएसआरटीसी अपने बेड़े में 20 लग्जरी बसें शामिल करेगी

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) इस महीने के अंत तक अपने बेड़े में 20 लग्जरी (ऐरावत क्लब क्लास 2.0 मॉडल) बसें शामिल करेगा, जिनमें से प्रत्येक की कीमत 1.78 करोड़ रुपये होगी। निगम ने सोमवार को यह घोषणा की। केएसआरटीसी ने बताया कि उसके बेड़े में इस समय 443 लग्जरी बसें हैं।

अधिकारियों के अनुसार परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने केएसआरटीसी के अध्यक्ष एस आर श्रीनिवास (वासु) के साथ नयी बसों का निरीक्षण करने के लिए होसकोटे के पास वोल्वो बस निर्माण कारखाना का दौरा किया। निगम ने बताया कि नयी बसों की लंबाई उक्त श्रेणी की बसों से 3.5 प्रतिशत अधिक होगी जिससे यात्रियों के लिए सीट के बीच अधिक स्थान उपलब्ध होगा।

कर्नाटक कैबिनेट जाति आधारित जनगणना पर 18 को चर्चा कर सकती है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट 18 अक्टूबर को चर्चा के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखी जाएगी और सरकार बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार आगे का कदम उठाएगी। सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को जाति जनगणना के नाम से भी जाना जाता है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने तत्कालीन अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व में 29 फरवरी को रिपोर्ट मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सौंपी थी। रिपोर्ट समाज के कुछ वर्गों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर आपत्तियों के बीच प्रस्तुत की गई थी। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों 'वोक्कालिगा और लिंगायत' ने सर्वेक्षण पर आपत्ति जताते हुए इसे ''अवैज्ञानिक'' बताया है और मांग की है कि इसे खारिज किया जाए और एक नया सर्वेक्षण कराया जाए। सिद्दरामय्या ने सोमवार को पिछड़ा वर्ग समुदाय के मंत्रियों और विधायकों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बैठक में सांसदों को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन कोई नहीं आया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एन. रवि कुमार समेत करीब 30 विधायक शामिल हुए। सिद्दरामय्या ने कहा, ''उन्होंने मुझे एक अनुरोध पत्र दिया है। पत्र में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने मांग की है कि सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को स्वीकार करे और इसे लागू करे। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह पिछड़े वर्गों का जाति सर्वेक्षण नहीं है, यह सात करोड़ कन्नड़ लोगों का सर्वेक्षण है।'' उन्होंने कहा कि देश में पहली बार कर्नाटक में ऐसा सर्वेक्षण किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस सरकार द्वारा किया गया था, जब वही मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा, ''....मुझे सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण प्राप्त हो गया है। मैं इसे कैबिनेट के समक्ष रखूंगा और चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा....मैंने विधायकों से भी कहा है कि इसे कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा, संभवतः 18 अक्टूबर को....हम कैबिनेट में चर्चा करेंगे और कैबिनेट जो निर्णय लेगी, हम उसी के अनुसार चलेंगे।'' जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व वाले आयोग ने कहा था कि रिपोर्ट 2014-15 में राज्य भर के जिलों के संबंधित उपायुक्तों के नेतृत्व में 1.33 लाख शिक्षकों सहित 1.6 लाख अधिकारियों द्वारा एकत्र किए गए आंकड़े के आधार पर तैयार की गई थी, जब एच कंथाराजू इसके अध्यक्ष थे।

सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) ने 2015 में 170 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राज्य में सर्वेक्षण शुरू किया था। तत्कालीन अध्यक्ष कंथाराजू के नेतृत्व में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को जाति जनगणना रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया था। सर्वेक्षण का काम 2018 में सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल के अंत में पूरा हुआ था। उसके बाद सर्वेक्षण के निष्कर्ष कभी रिपोर्ट के रूप में सार्वजनिक नहीं किए गए।

सिद्दरामय्या ने कहा कि ''कंथाराजू की अध्यक्षता वाले स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा 2014 में सर्वेक्षण किया गया था। उन्होंने कहा, आयोग ने सर्वेक्षण करने में बहुत समय लिया और मुझे कंथाराजू ने बताया कि सर्वेक्षण घर-घर जाकर किया गया था।'

'एयर शो के बाद पांच लोगों की मौत गर्मी के कारण हुई'

चेन्नई। तमिलनाडु में मरीना बीच पर भारतीय वायुसेना के एयर शो के बाद पांच लोगों की मौत गर्मी के कारण हुई थी और सभी को मृत अवस्था में सरकारी अस्पतालों में लाया गया था। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने सोमवार को यह दावा किया। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने राजनीतिक दलों और मीडिया से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। सुब्रमणियन ने बताया कि मरीना बीच के निकट स्थित सरकारी अस्पतालों में भर्ती लगभग 100 लोगों में से सात लोग उपचाराधीन है और 93 लोगों का बाह्य रोगी के रूप में इलाज किया गया तथा पांच लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में उपचाराधीन लोगों की हालत स्थिर है। मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम मौतों से इनकार नहीं करते, ये सभी मौतें गर्मी की वजह से हुई हैं, क्योंकि लोग सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक तेज धूप में रहे। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि हमने भारतीय वायुसेना के 92वें स्थापना दिवस के जश्न के लिए 15 लाख लोगों के लिए व्यवस्था की थी और यहां तक कि वायुसेना ने जो कहा था, उससे भी ज्यादा की व्यवस्था की थी।

हुडको से आरटीडीसी ने किया 415 करोड़ का करार दीया कुमारी और पर्यटन सचिव रवि जैन रहे मौजूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी तथा शासन सचिव पर्यटन रवि जैन की उपस्थिति में राजस्थान पर्यटन विकास निगम और हुडको की ओर से सोमवार को सचिवालय में आरटीडीसी की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा एवं हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर के मध्य 415 करोड़ रुपये के ऋण हेतु एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज हुडको से 9.12: की ब्याज दर पर 415 करोड़ रुपये के दीर्घकालीन लोन का एमओयू आदान प्रदान किया गया है। राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं पर अभी बहुत काम किया जाना है। उन्होंने कहा कि हुडको के साथ हुए आज के एमओयू से पर्यटन विकास के लिए वित्तीय संबल मिलेगा। राजस्थान में पर्यटन विकास को और गति मिलेगी।

दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन विकसित भारत बनाने का है। इसी लक्ष्य के तहत राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विकसित राजस्थान बनाने का विजन है। जिसमें पर्यटन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारी डबल इंजन की सरकार है केन्द्र सरकार के साथ मिलकर राज्य सरकार प्रदेश का विकास करेगी,पर्यटन का विकास करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के तीर्थ स्थलों, स्मारकों,नये डेस्टीनेशन्स को और अच्छा बनाने के लिए कार्य किये जाएंगे। राजस्थान आने वाले पर्यटकों का अनुभव शानदार हो इसके लिए हमारा प्रयास होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राईजिंग राजस्थान हमारे लिए एक बेहतर अवसर है। पर्यटन की दिशा में हम बहुत आगे बढ़ने वाले हैं। राईजिंग राजस्थान से पर्यटन के क्षेत्र में नए निवेश होगें तथा राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र में नई उचाईयों पर ले जाने के प्रयास सार्थक होंगे। हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर ने इस अवसर पर कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के नेतृत्व में राजस्थान में पर्यटन विकास के बेहतरीन काम हो रहे हैं। राजस्थान में सड़कों और आधारभूत सुविधाओं के साथ पर्यटन विकास के बहुत अच्छे कार्य हो रहें हैं।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देशों पर आगे बढ़ते हुए आज एमओयू हुआ इससे राजस्थान में पर्यटन का तेजी से विकास होगा। आरटीडीसी होटल के नवीनीकरण के कार्य तथा पर्यटक स्थलों और पर्यटन के क्षेत्र में अच्छी सुविधाओं का विकास महत्वपर्ण है। उन्होंने कहा कि ऋण स्थगन अवधि 2 वर्ष की होगी, इसके बाद मूल राशि का पुनर्भुगतान शुरू होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह, आरटीडीसी के कार्यकारी निदेशक वित्त धीरज सिसोदिया, पर्यटन विभाग की वित्तीय सलाहकार गार्गी सिंह, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पटवारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की टीम ने सोमवार को गंगानगर जिले की सूरतगढ़ तहसील में एक पटवारी को कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो ने इसकी जानकारी दी। ब्यूरो के बयान के अनुसार ब्यूरो की टीम ने सूरतगढ़ तहसील के संगीता हल्के के पटवारी मुकेश कुमार को परिवादी से 20 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया। इसके अनुसार परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि गिरदावरी आकलन रिपोर्ट तैयार करने की एवज में आरोपी पटवारी मुकेश कुमार द्वारा प्रति बीघा एक हजार रुपये के हिसाब से कुल 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर सोमवार को सूरतगढ़ में आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गहलोत के कार्यकाल में पूरे पांच साल 'सर्कस' चला : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पूरे पांच साल 'सर्कस' किया। शर्मा ने कहा कि गहलोत कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अनुभवी भी हैं, इसलिए उन्हें कोई भी बयान देने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए क्योंकि वे जो मुद्दे अब उठा रहे हैं उन पर वे काम कर सकते थे।

उन्होंने यहां मीडिया से कहा, अशोक गहलोत ने पूरे पांच साल सर्कस ही किया है। कभी होटल में, कभी ऐसे ही। इसलिए अब उनको सर्कस ही दिखता है।

मैं कहना चाहता हूं, कि आजकल वह 'एक्स' पर बहुत बातें लिख रहे हैं। मैं उनको याद दिलाना चाहता हूं कि 10 महीने पीछे चले जाएं। अपनी उन बातों को यादों को भी करें। गहलोत ने रविवार को जोधपुर में मीडिया से बातचीत में कहा था कि राज्य में सरकार नहीं बल्कि सर्कस चल रही है, जहां एक मंत्री इस्तीफा दे रहा है और कोई उसे मनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से विफल है।

शर्मा ने कहा कि गहलोत कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वे अनुभवी भी हैं। उन्हें कोई भी बयान देने से पहले अपनी तरफ देखना चाहिए। शर्मा ने कहा, क्योंकि वह जिन बातों को कह रहे हैं वह खुद भी उन कामों को कर सकते थे। उनका तो लंबा कार्यकाल रहा है। उनको यह भी सोचना चाहिए कि जो मैं कह रहा हूं, मैं उन पर कितना खरा उतरा हूं। उस पर विचार करना चाहिए।

कई जगह हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो दिन में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आज मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। वहीं एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से आठ नौ अक्टूबर को उत्तर पश्चिमी एवं उत्तरी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है, शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क बना रहेगा। इसके अनुसार पिछले चौबीस घंटे में पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश दर्ज की गयी।

अपने गिरेबान में झांकें, गजेंद्र सिंह शेखावत का गहलोत पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रदेश की भजनलाल सरकार को सर्कस बताए जाने के बयान पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पलटवार किया है। शेखावत ने कहा कि गहलोत को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए उनकी सरकार के समय महिलाओं की क्या स्थिति थी, लगातार पेपर लीक होने के बाद भी वे क्लीन चिट देते रहे। सोमवार को अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए शेखावत ने कहा कि राजनीतिक टिप्पणियां करने से पहले उनको अपने 5 साल के काम में किस तरह के हालात थे वो देखना चाहिए। राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए थे। मैं लगातार कह रहा था कि जिस आदमी की सरकार होते हुए राजस्थान में पेपर लीक मामले में इतनी सारी घटनाएं हुई और लगातार वह खुद आगे आकर क्लीन चिट देते रहे। यह कहते रहे कि पेपर लीक में सरकारी अधिकारी, राजनेता और कर्मचारी का इंवॉल्वमेंट नहीं है,लेकिन आज जब हकीकत सामने आ रही है तब बौखलाए हुए हैं।

शेखावत ने कहा कि इस तरह के स्टेटमेंट देते हैं। लेकिन राजस्थान की जनता ने पिछले 5 साल का उनका शासन काल देखा है। जनता उनको अच्छी तरह से जानती है और पहचानती भी है। उनका स्टेटमेंट उनकी खिसियाहट दिखाता है। उल्लेखनीय की अशोक गहलोत रविवार को जोधपुर आए थे और उन्होंने भजनलाल सरकार के कामों पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि सरकार नहीं सर्कस है। सीएम को अब जनता को राहत देने के काम करना चाहिए।

दोषियों को बचाने का प्रयास करने वाले अधिकारियों पर भी होगी सख्त कार्यवाही : गौतम कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । प्रदेश के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं और फर्जीवाड़ों के प्रकरणों से आमजन का सहकारिता में विश्वास कम होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की ऐसे प्रकरण सामने आते ही दोषियों के प्रति बिना सहानुभूति रखते हुए अविलम्ब कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सहकारिता मंत्री सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम - 2001 की धारा 55, 57 (1) और 57 (2) के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। इस मैराथन बैठक में लम्बे समय से पेंडिंग चल रहे करीब 300 प्रकरणों की खण्डवार और प्रकरणवार विस्तार से समीक्षा की गई। सहकारिता मंत्री ने प्रकरणों की जांच में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लम्बित जांच प्रकरणों में जांच अधिकारियों के लिए समय सीमा भी निर्धारित की। दक ने कहा कि अनियमितताओं के प्रकरणों में होने वाली कार्यवाही नजीर बननी चाहिए। इसके लिए जांच अधिकारी ऐसे प्रकरणों में लीपापोती करने के बजाय पूरी ईमानदारी से अपना काम करें। दक ने निर्देश दिए कि सहकारी समितियों की आम सभा में राजकीय प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इससे फर्जीवाड़े के प्रकरणों पर काफी हद तक लगाम लगेगी। उन्होंने कहा कि यदि समिति में फर्जीवाड़ा साबित होता है, तो आरोपियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज करवाई जाए।

हरियाणा में कांग्रेस व जम्मू कश्मीर में 'गठबंधन' की सरकार बनेगी : पायलट

जयपुर/दक्षिण भारत । कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को विश्वास जताया कि हरियाणा में कांग्रेस एवं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस अपने सहयोगी गठबंधन के साथ सरकार बनाएगी। इन दोनों राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव हुए हैं और वोटों की गिनती मंगलवार को होनी है। पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, कल दो राज्यों (हरियाणा और जम्मू कश्मीर) की मतगणना होगी। जैसा कि फीडबैक मिला है...व्यक्तिगत रूप से मैं मानता हूं कि एक बहुत अच्छे बहुमत के साथ हरियाणा में हम लोग (कांग्रेस) सरकार बनाने जा रहे हैं।' जम्मू कश्मीर के बारे में उन्होंने कहा, 'भाजपा ने बहुत कोशिश की...जम्मू कश्मीर के अंदर तरह तरह की सियासी चालें चली हैं, लेकिन वहां पर मुझे लगता है कि स्पष्ट बहुमत हमारे गठबंधन को मिलेगा...जम्मू कश्मीर के सब लोग मिलकर कांग्रेस गठबंधन को बहुमत देंगे और दोनों राज्यों में हमलोग सरकार बनायेंगे।' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, यह जो चुनाव हुए हैं दोनों जगह...यह बदलाव के चुनाव है। जम्मू कश्मीर में (उप) राज्यपाल के माध्यम से केन्द्र सरकार शासन चला रही थी.. लोगों ने बदलाव को वोट दिया है... मतदान प्रतिशत अच्छा रहा है.. प्रतिशत ऊंचा हुआ है, और मुझे लगता है, हम लोग दोनों राज्यों में अच्छी सरकार बनाने में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा जहां तक कौन नेतृत्व करेगा उसका चुनाव की एक प्रक्रिया है हमारी पार्टी में... विधायक दल की मीटिंग होती है और पर्यवेक्षक दिल्ली से जाते है अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष को देते है और केन्द्रीय नेतृत्व विधायकों की सलाह के बाद निर्णय करती है कि कौन हमारे विधायक दल का नेता बनेगा। राजस्थान सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, 'राजस्थान में जो हालात आज हैं, एक तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, लोगों को मालूम नहीं कि सत्ता का केन्द्र क्या है। इतने सारे सत्ता के केन्द्र हैं... संगठन कुछ बोल रहा है, सरकार कुछ बोल रही है.. मंत्री इस्तीफा दे रहे हैं.. लोग उनको मनाने में लगे हुए हैं।'

मुख्यमंत्री ने नाहरगढ़ में टाइगर सफारी का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के नाहरगढ़ में फीता काटकर टाइगर सफारी का शुभारम्भ किया। प्रदेशवासियों को मिली इस सौगात से अब वन्य जीव प्रेमी नाहरगढ़ में टाइगर सफारी का आनंद ले सकेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान में दो बाघ शावकों का नामकरण भी किया। मुख्यमंत्री ने मादा बाघ शावक का नाम 'स्कंदी' तथा नर बाघ शावक का नाम 'भीम' रखा। शर्मा ने प्रदेशवासियों को 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मनाए जा रहे वन्य जीव सप्ताह की बधाई देते हुए कहा कि वन्य जीवों की रक्षा तथा प्रकृति को संजोए रखना हम सभी का कर्त्तव्य है। इस वन्यजीव सप्ताह में विद्यार्थियों को बायोलॉजिकल पार्कों में नि:शुल्क प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन विभाग और जेडीए के संयुक्त प्रयासों से सोमवार को शुरू हो रही टाइगर सफारी से प्रदेश में पर्यटन को एक नई शुरूआत मिली है। साथ ही, इससे बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान वन्यजीवों के संरक्षण, संवर्धन पर विशेष जोर दे रहा है। प्रदेश में तीन नेशनल पार्क, 26 अभयारण्य, 36 कन्जर्वेशन रिजर्व तथा 4 बायोलॉजिकल पार्क विकसित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बाघों के संरक्षण के निरंतर किए जा रहे प्रयासों से उनकी आबादी बढ़ रही है। राजस्थान में लगभग 130 बाघ हैं। उन्होंने कहा कि जेडीए ने जयपुर जिले में दो नए पार्क विकसित किए हैं। जिसमें जीरोता में नगर वन एवं नेवटा के पास बायोडायवर्सिटी पार्क शामिल हैं। इससे आसपास की 5 लाख की आबादी लाभान्वित होगी।

शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के तहत राज्य में 7 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'हरियालो मिशन' के तहत लगातार पौधारोपण किया जा रहा है। जिसके तहत आगामी पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष 10 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जनता से जो वादे किए हैं, उनको लगातार पूरा किया जा रहा है। हमने एक वर्ष में एक लाख भर्तियों तथा आगामी पांच वर्षों में चार लाख भर्तियों की घोषणा की थी। जिसके तहत कैबिनेट बैठक में एक साथ 90 हजार पदों पर भर्तियों का रास्ता खुला है जो हमारे दृढसंकल्प को दर्शाता है।

शर्मा ने अधिकारियों को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रोशनी एवं वन्यजीवों के लिए पानी तथा उद्यान के समुचित रख-रखाव के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। इससे पहले शर्मा ने परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने इस दौरान विभिन्न स्कूलों से जैविक उद्यान में भ्रमण हेतु आए बच्चों से मुलाकात भी की।

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सचिवालय अधिकारी-कर्मचारियों की भूमिका अहम : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सचिवालय राजस्थान की जनता की भावनाओं, इच्छाओं और उम्मीदों का मुख्य केन्द्र है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और निर्णयों को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने में यहां के अधिकारीयों-कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी प्रदेश में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने और मदद करने की भावना से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। विकसित राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने में आमजन के साथ ही समाज के विकास में सचिवालय अधिकारीयों-कर्मचारीयों का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता शपथ दिलाई और अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्ण निभाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी की ओर से जो भी मांगे रखी गई हैं उस पर राज्य सरकार सकारात्मक विचार करेगी। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सचिवालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दलजीत सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया, साथ ही सचिवालय सेवा की कुछ महत्वपूर्ण मांगो के साथ नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की। इस अवसर पर संयुक्त शासन सचिव कार्मिक कनिष्क कटारिया सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आने वाले समय में गोशालाओं को बनाया जाएगा और भी सुविधाजनक : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं से गोपालकों को सहायता व संबल प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार गौशालाओं को और भी सुविधाजनक बनाने की कार्य योजना बनाकर कार्य कर रही है।

कुमावत सोमवार को झुंझुनू जिले के खेमी शक्ति मन्दिर परिसर में झुंझुनूं जिला गौ सेवा समिति के जिला स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग ले रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला के संचालन, अनुदान, भूमि, चारा, अन्य प्रशासनिक समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान पर चर्चा की। उन्होंने गौ माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ञवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दौरान झुंझुनू जिले की सर्वश्रेष्ठ 3 गौशालाओं की घोषणा की गई, जिसमें प्रथम जमवाय माता गौशाला भौड़की, द्वितीय गोपाल गौशाला झुन्झनू व तृतीय पिंजरापोल गौशाला बिसाऊ रही। सांत्वना पुरस्कार की हकदार पिलानी गौशाला रही, जिसके प्रतिनिधियों को 20 अक्टूबर 2024 को पिलानी गौशाला में पिलानी के प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला समिति द्वारा प्रकाशित कामधेनु स्मारिका का भी विमोचन भी किया गया, जिसमें पूरे जिले की सभी गौशालाओं का विवरण प्रकाशित किया गया है।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर चलाई गोली, कॉन्स्टेबल घायल

बारां। राजस्थान के बारां जिले के सीसवाली थाना क्षेत्र में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग करने के दौरान सोमवार को एक पुलिस कॉन्स्टेबल घायल हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक रामकुमार चौधरी ने बताया कि सीसवाली थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने राउंड अप कर पकड़ा है। मारपीट और गाड़ी में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस टीम आरोपी की तलाश में सीसवाली के महुआ गांव गई थी। सुबह थानाधिकारी छोटूलाल की अगुवाई में 15 सदस्य टीम ने रामेश्वर के घर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी के परिजन हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच आरोपी परिवार में से किसी ने फायर कर दिया जिससे गोली कांस्टेबल के बायीं जांघ पर आकर लगी। उन्होंने बताया कि गांव की लड़की भागने को लेकर एक समाज के लोगों ने परिवाद दिया था। जांच के लिए पुलिस की टीम गांव में गई थी। आरोपी पक्ष के लोगों ने पुलिस से अभद्र व्यवहार किया और राजकार्य में बाधा पहुंचाई।

आरजी कर मामला : कनिष्ठ चिकित्सकों का अनशन तीसरे दिन भी रहा जारी, आज करेंगे रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में न्याय एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग कर रहे आंदोलनरत कनिष्ठ चिकित्सकों का आमरण अनशन लगातार तीसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए मंगलवार को शाम करीब साढ़े चार बजे मध्य कोलकाता के कॉलेज स्कवायर से धर्मतला तक एक रैली करने की भी घोषणा की। कनिष्ठ चिकित्सक ने कहा, ''कल, हम राज्य भर के सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में सांकेतिक भूख हड़ताल करेंगे। इसमें विभिन्न चिकित्सक संघों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। यह मंगलवार सुबह 9 बजे शुरू होगा और रात 9 बजे तक जारी रहेगा। हम कोलकाता में एक रैली भी करेंगे। हम, पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम की ओर से उन सभी लोगों को आमंत्रित करते हैं जो हमारे विरोध के पहले दिन से ही हमारे साथ हैं।'' छह कनिष्ठ चिकित्सक शनिवार शाम से ही आमरण अनशन कर रहे हैं। 'ज्वाइंट प्लेटफॉर्म ऑफ डॉक्टर्स इन वेस्ट बंगाल' के छह सदस्य कनिष्ठ चिकित्सकों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए अनशन में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। एक कनिष्ठ चिकित्सक अनिकेत महतो ने कहा, ''हमारा आमरण अनशन जारी है। हमें राज्य सरकार से कोई संदेश नहीं मिला है। हम सभी मांगें पूरी होने तक इसे जारी रखेंगे। कोई भी बाहरी दबाव हमें मृतक बहन के लिए न्याय मांगने के वास्ते प्रदर्शन करने से नहीं डिगा सकता...अभी नहीं तो कभी नहीं।'' अनशन पर बैठने वाले छह चिकित्सकों में कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्निग्धा हाजरा, तान्या पांजा और अनुष्टुप मुखोपाध्याय, एसएसकेएम अस्पताल के अर्नब मुखोपाध्याय, एन.आर.एस. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पुलस्थ आचार्य और के.पी.सी मेडिकल कॉलेज की सायंतनी घोष हाजरा शामिल हैं। दो वरिष्ठ महिला चिकित्सक – श्रावणी मित्रा और श्रावणी चक्रवर्ती ने कनिष्ठ चिकित्सकों के प्रति एकजुटता जताने के लिए प्रदर्शन स्थल पर 24 घंटे का अनशन शुरू कर दिया है। मित्रा ने कहा, ''हम युवा चिकित्सकों के प्रति अपना समर्थन और एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए उनके साथ शामिल हो गए हैं। इसके अलावा करीब 10–13 अन्य वरिष्ठ चिकित्सक भी उनके साथ जुड़ेंगे। वे भी अगले 24 घंटे तक अनशन करेंगे।''

'अधिकारी निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें'

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को सभी जिला उपायुक्तों को निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज करने का निर्देश दिया। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी' योजना की घोषणा के कुछ दिन बाद यह निर्देश दिया गया।

राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आरोप लगाया है कि भाजपा अपनी प्रस्तावित योजना के लिए महिलाओं से आवेदन जमा करवा रही है, जिसमें 2,100 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया है। झामुमो ने दावा किया कि ऐसा किया जाना '' निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन है''।

सोरेन ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''सभी उपायुक्त संज्ञान लें एवं सुनिश्चित करें कि निर्वाचन आयोग के सभी नियमों का सख्ती से पालन हो। झारखंड में किसी को भी निर्वाचन आयोग के नियमों को तोड़ने की आजादी नहीं है। उपायुक्तों को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सूचित करना चाहिए।''

इस पर पलटवार करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग की अधिसूचना नहीं आ जाती तब तक प्रत्येक राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का अधिकार है।

भाजपा 'पीआईएल मास्टर गैंग' बन गई है, हर सरकारी योजना में अड़चन डालती है : कल्पना सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुमला (झारखंड)/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक कल्पना सोरेन ने भाजपा को ''पीआईएल मास्टर गैंग'' बताते हुए झारखंड के लोगों के हित से जुड़ी सरकारी योजनाओं में बाधा डालने के लिए मुख्य विपक्षी दल की सोमवार को आलोचना की। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा को लोगों से करारा जवाब मिलेगा।

सोरेन ने 'मंईयां सम्मान यात्रा' के तहत गुमला जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के खिलाफ जनहित याचिका (पीआईएल) कथित तौर पर दायर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निंदा की। उन्होंने कहा, ''मंईयां सम्मान योजना के खिलाफ उन्होंने जनहित याचिका दायर की है। जब भी कोई अधिवास नीति आती है तो वे ऐसा ही करते हैं। वे 'पीआईएल मास्टर गैंग' बन गए हैं जो झारखंड के लोगों के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा शुरू की जाने वाली हर पहल में बाधा डालते हैं।''

कल्पना सोरेन ने अलग सरना धार्मिक संहिता की भी वकालत की और भाजपा पर आदिवासी समुदायों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''आदिवासियों की पहचान उनकी संस्कृति और सरना धार्मिक संहिता में निहित है। हमने झारखंड विधानसभा में इस संहिता के लिए प्रस्ताव पारित किया लेकिन भाजपा हमारी संस्कृति की रक्षा करने और अलग सरना संहिता प्रदान करने को तैयार नहीं है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल हेमंत सोरेन ही झारखंड और आदिवासी पहचान की रक्षा कर सकते हैं।

कल्पना सोरेन ने कहा, ''पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने (हेमंत सोरेन) केंद्र सरकार को कुडुख, उरांव, हो और मुंडारी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए पत्र लिखा था। हालांकि उन्होंने इनकार कर दिया। हम तब तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे जब तक हमें अपने अधिकार नहीं मिल जाते।''

'प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए मार्गदर्शक हैं'

लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को संवैधानिक पद पर 23 साल पूरा करने के अवसर पर शुभकामना देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, ''मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे आपकी 23 वर्षों की लोक साधना में आस्था, अस्मिता, आधुनिकता, अंत्योदय और अर्थव्यवस्था को संरक्षण और संवर्धन मिलने के साथ ही हर स्तर पर वंचित को वरीयता प्राप्त हुई है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री जी की प्रत्येक नीति और हर योजना ने वंचितों और गरीबों के समग्र उत्थान को नए आयाम प्रदान किए हैं। वे सच्चे अर्थों में आधुनिक भारत में 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के वास्तुकार हैं। उनका जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। सेवा, सुशासन और सुरक्षा को समर्पित प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायक 23 वर्ष प्रत्येक जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय है।'' उन्होंने लिखा, ''प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में 'नया भारत' आज वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर सतत अग्रसर है।'' योगी ने कहा, ''मां भारती को परम वैभव तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते 23 वर्षों की यशस्वी यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को हार्दिक बधाई ।'

ओडिशा ने माओवादियों से निपटने के लिए केंद्र से हेलीकॉप्टर, सुरक्षा बलों की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में माओवादियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार से एक हेलीकॉप्टर और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 12 कंपनियों की सोमवार को मांग की।

पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से माओवादियों के ओडिशा में प्रवेश की आशंका के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने यह मांग की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि माझी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित माओवाद संबंधी समीक्षा बैठक के दौरान यह मांग उठाई। बयान में कहा गया कि माझी के साथ वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित बैठक में भाग लिया।

उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार ने सुरक्षा बल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूर्व सैनिकों के ओएसएसएफ (ओडिशा स्पेशल स्ट्राइकिंग फोर्स) की तीन बटालियन गठित की हैं। उन्होंने कहा कि जब तक भर्ती किए गए कर्मियों को तैनात नहीं किया जाता, तब तक छत्तीसगढ़ से घुसपैठ को रोकने और खुफिया–आधारित अभियानों को बढ़ाने की सख्त जरूरत है।

माझी ने बैठक में कहा, ''वर्तमान परिदृश्य में मैं आपसे (केंद्र से) अनुरोध करता हूं कि जब तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, केंद्रीय बलों को वापस न बुलाया जाए। साथ ही, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि दो साल की अवधि के लिए सीएपीएफ की कम से कम 12 कंपनियां भेजी जाएं, जिन्हें वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जाए, ताकि घुसपैठ को रोका जा सके और समयबद्ध तरीके से ओडिशा से वामपंथी उग्रवाद को खत्म किया जा सके।''

अधिक सुरक्षा बलों की मांग को उचित ठहराते हुए माझी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की बड़े पैमाने पर तैनाती और माओवाद विरोधी अभियान में तेजी आने के साथ वाजिब आशंका है कि चरमपंथी ओडिशा का रुख कर सकते हैं और वे राज्य के भीतर भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

माझी ने यह भी कहा कि सुरक्षा बलों और जवानों की आवाजाही, अग्रिम चौकियों के रखरखाव और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए निर्बाध हेलीकॉप्टर सेवा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यति के खिलाफ मुरादाबाद, बहराइच, अलीगढ़ में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद/बहराइच/अलीगढ़/भाषा। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ डासना मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद के कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में चल रहे देशव्यापी आंदोलन के बीच उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, बहराइच और अलीगढ़ में जनप्रतिनिधियों, धार्मिक संगठनों और छात्रों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की।

अलीगढ़ मुस्लिम विवि (एएमयू) के सैकड़ों छात्रों ने पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ नरसिंहानंद सरस्वती द्वारा हाल ही में की गयी टिप्पणियों के खिलाफ विश्वविद्यालय में विरोध मार्च निकाला। मुरादाबाद संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य रुचि वीरा ने पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए विवादित बयान के लिए डासना मंदिर के मुख्य पुजारी नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और पूछा कि योगी (आदित्यनाथ) सरकार का अपराध के खिलाफ कत्तई बर्दाश्त नहीं करने की नीति कहां है।

नगर मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव ने बताया कि मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा सोमवार को अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचीं और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

असम किसानों को 10 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड देगा : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को राज्य भर में चार लाख से अधिक किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) वितरण की शुरुआत की। एक आधिकारिक समारोह में शर्मा ने कहा कि सरकार लगभग 10 लाख एसएचसी वितरित करेगी और उनमें से चार लाख पहले से ही वितरण के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमारे कृषक बंधु आत्मनिर्भर असम के हमारे मिशन के आधार हैं। मैं आज किसानों को कई पहल समर्पित कर रहा हूं। शर्मा ने कहा कि राज्य में मिट्टी की गुणवत्ता जांचने के लिए प्रयोगशालाओं की संख्या पांच से बढ़ाकर 26 कर दी गई है। कृषि मंत्री अतुल बोरा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने कृषि कार्ड वितरण के साथ ही किसानों को कृषि मशीनरी सौंपी तथा कृषि ज्ञान केन्द्रों का उद्घाटन किया। शर्मा ने कहा, हम 816 ग्रामीण कृषि उपकरण बैंक स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, इससे पहले राज्य में ऐसे केवल 80 बैंक थे। उन्होंने कहा कि सरकार 96 कृषि ज्ञान केन्द्र और 93 कृषि विकास कार्यालय भी शुरू कर रही है।

संभल में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से 22 लोग घायल, पांच की हालत गंभीर

संभल, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के गुन्नौर थाना क्षेत्र में सोमवार को दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 22 लोग घायल हो गए। घायलों में चार महिलाओं समेत पांच को उपचार के लिए अलीगढ़ भेजा गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

गुन्नौर के थाना प्रभारी निरीक्षक विनीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बदायूं–गुन्नौर मार्ग पर किसी को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर–ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई, इस घटना में 22 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों में से चार महिलाओं समेत इलाज के लिए अलीगढ़ भेजा गया है, हालांकि, बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई है। उन्होंने बताया कि सभी घायल कासगंज के रहने वाले हैं और ये लोग देवी के दर्शन के लिए संभल आ रहे थे तभी यह हादसा हो गया।

दिग्गज जिम्नास्ट दीपा कर्माकर ने संन्यास की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनकर इतिहास रचने वाली दिग्गज खिलाड़ी दीपा कर्माकर ने सोमवार को संन्यास लेने की घोषणा की।

रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर मामूली अंतर से चूकने वाली दीपा का करियर इस तरह समाप्त हो गया जिसमें वह नियमित रूप से अत्यधिक कठिन प्रोडुनोवा वॉल्ट करके लोगों को प्रभावित करती थीं। त्रिपुरा की 31 वर्षीय इस छोटी कद की खिलाड़ी ने 2016 रियो खेलों के वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियां बटोरी थीं जहां उन्होंने वह सिर्फ 0.15 अंक से ओलंपिक पदक से चूक गई थी। दीपा ने बयान में कहा, ''बहुत सोच–विचार और चिंतन के बाद मैंने प्रतिस्पर्धी जिम्नास्टिक से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह आसान फैसला नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि यह सही समय है।'' उन्होंने कहा, ''जब से मुझे याद है तब से जिम्नास्टिक मेरे जीवन का केंद्र रहा है और मैं उतार–चढ़ाव और बीच के हर लम्हे के लिए आभारी हूं।'' दीपा ने कहा कि वह अपने जीवन में किसी समय कोच बनकर खेल को कुछ वापस देने की उम्मीद करती हैं या फिर वह 'अपने सपनों का पीछा करने वाले जिम्नास्टों की अगली पीढ़ी की समर्थक' बनी रह सकती हैं।

अगरतला की रहने वाली दीपा जिम्नास्टिक के इतिहास की केवल पांच महिलाओं में से एक हैं जिन्होंने प्रोडुनोवा को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है जिसमें जमीन पर उतरने से पहले दो बार 'समरसॉल्ट' करना होता है और इसे 'वॉल्ट ऑफ डेथ' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें चोट लगने का जोखिम बहुत अधिक होता है। उन्होंने कहा, ''जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे अपनी हर उपलब्धि पर गर्व महसूस होता है। विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, पदक जीतना और सबसे यादगार, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट करना, इसे हमेशा मेरे करियर के शिखर के रूप में याद किया जाएगा।''

दीपा कर्माकर ने कहा, ''ये पल सिर्फ मेरे लिए जीत नहीं थे। ये भारत की हर उस युवा लड़की की जीत थी जिसने सपने देखने की हिम्मत की जिसने माना कि कड़ी मेहनत और दृढ़

ओडिशा : निजी बस संचालकों ने 14 जिलों में प्रस्तावित हड़ताल वापस ली

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के 14 जिलों के निजी बस संचालकों ने सोमवार को बेहरामपुर में परिवहन मंत्री बिभूति भूषण जेना के साथ हुई बैठक के बाद अपनी प्रस्तावित हड़ताल वापस ले ली है। दक्षिण और पश्चिम ओडिशा के 14 जिलों के निजी बस संचालकों ने सोमवार को शाम छह बजे से 24 घंटे की हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी। निजी बस संचालक ब्लॉक से जिला मुख्यालय के बीच 'लक्ष्मी' बस सेवा संचालित करने का विरोध कर रहे हैं। परिवहन मंत्री के साथ हुई बैठक में शामिल निजी बस मालिक संघ, बेलीगुडा के अध्यक्ष लोकनाथ पाढी ने कहा, ''हमने सोमवार से शुरू होने जा रही अपनी हड़ताल को वापस लेने का फैसला किया है क्योंकि मंत्री ने आश्वस्त किया है कि वह हमारी मांगों पर विचार करेंगे।'' राज्य सरकार ने ब्लॉक से जिला मुख्यालयों के बीच लोकेशन एक्सेसिबल मल्टी–मॉडल इनिशिएटिव (लक्ष्मी) योजना के तहत वातानुकूलित बसों का संचालन करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत संचालित बसों का किराया सरकार ने 10 रुपए प्रति महिला यात्री रखा है जबकि निजी संचालक प्रति यात्री 60 से 80 रुपए का किराया लेते हैं।

बहुजन को अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा हम करेंगे: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश में समावेशिता और समानता की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि कांग्रेस बहुजन को हिस्सेदारी और अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा करेगी।

उन्होंने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 'दलित किचन' के अपने दौरे का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया। इस वीडियो में वह खाना बनाने में मदद करते देखे जा सकते हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी (दलित किचन से जुड़े) ने कहा, दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता। वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं, और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनदे जी और अंजना तुकाराम सनदे जी के साथ एक दोपहर बिताई।'' उनका कहना था, ''कोल्हापुर, महाराष्ट्र में मुझे अपने घर सम्मान के साथ बुलाकर रसोई में हाथ बंटाने का मौका दिया। हमने मिलकर चने के साग की सब्ज़ी 'हरभऱ्याची भाजी' और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई।''

यति नरसिंहानंद के खिलाफ प्रदर्शन, पुलिस चौकी पर पथराव मामले में 13 गिरफ्तार

लखनऊ/सहारनपुर (उप्र)/भाषा। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ डासना मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद के कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में सहारनपुर में प्रदर्शन के दौरान शेखपुरा पुलिस चौकी पर पथराव करने के मामले में पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहारनपुर के पुलिस अधीक्षक (शहर) अभिमन्यु मांगलिक ने सोमवार को बताया, ''शेखपुरा चौकी पर पथराव मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत 20 नामजद एवं अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।'' उन्होंने बताया, ''इन 20 नामजद व्यक्तियों में से 13 आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

तेंदुलकर ने 38 साल पहले मुंबई के लिए आयु वर्ग में खेली गयी पहली शतकीय पारी को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को लगभग 38 साल पहले अंडर–15 क्रिकेट में बड़ौदा में खेली गयी शतकीय पारी अच्छे से याद है क्योंकि यह मुंबई के लिए उनका पहला शतक था।

क्रिकेट के सबसे महान बल्लेबाजों में शामिल 51 साल के तेंदुलकर ने सोमवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के ब्रांड दूत नियुक्त होने के बाद कहा कि उन्होंने मुंबई के लिए अपना पहला शतक बड़ौदा में ही लगाया था। तेंदुलकर ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''इस कमरे में मौजूद बहुत से लोगों को यह नहीं पता होगा कि मैंने किसी भी आधिकारिक टूर्नामेंट, किसी भी आयु वर्ग में मुंबई के लिए पहला शतक बड़ौदा में बनाया था।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि 1986 का साल था। मैंने अंडर–15 टूर्नामेंट खेलते हुए अपना पहला शतक बनाया था। हम बड़ौदा में महाराष्ट्र के खिलाफ खेल रहे थे और मैंने 123 रन बनाये थे।'' तेंदुलकर ने कहा कि इसके कुछ समय के बाद उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम में नामित किया गया था लेकिन वह एकादश में जगह नहीं बना सके थे और यह मैच भी बड़ौदा में ही खेला गया था। उन्होंने कहा, ''उस समय, मुझे वास्तव में आपके संस्थापक (बड़ौदा के महाराजा, सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय) के महल का दौरा करने का अवसर मिला। मैंने महल में रखी गयी उनकी विशेष चीजों को देखा।''

उन्होंने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं, तो मैंने समरजीत गायकवाड़ (बड़ौदा के पूर्व खिलाड़ी) के खिलाफ भी खेला है। वह गायकवाड़ परिवार से ही हैं।'' रिकॉर्ड 463 एकदिवसीय खेलने वाले तेंदुलकर इस मौके पर यह जिक्र करना नहीं भूले कि उन्होंने अपना 400वां वनडे बड़ौदा में ही खेला था। उन्होंने कहा, '' बड़ौदा में मेरे साथ कई विशेष चीजें हुईं। मुझे लगता है कि मेरा 400वां वनडे मैच भी बड़ौदा में खेला गया था। इसलिए यह जुड़ाव समय के साथ बढ़ता गया।''

गेंद की गति हमेशा मेरे दिमाग में रहती है लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जरूरी : मयंक यादव

ग्वालियर/भाषा। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टी 20 अंतरराष्ट्रीय में यादगार पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा कि तेज गति ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है लेकिन वह इस बात को जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिटनेस संबंधी उतार–चढ़ाव के बीच सिर्फ निरंतरता से ही अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं।

इस साल आईपीएल की दस सबसे तेज गेंद (सभी 150 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक) फेंकने वाले इस 22 साल के गेंदबाज ने अपनी गति से बांग्लादेश के बल्लेबाजों को भी परेशान किया। उनका पहला ओवर मेडन रहा। उन्होंने अपने चार ओवर के कोटे में 14 डॉट गेंद डाली और 21 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मयंक ने अपने पदार्पण के बाद मैच के प्रसारक जियो सिनेमा से कहा, '' मैं उत्साहित था लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं थोड़ा नर्वस भी था क्योंकि मैं चोट से उबरने कर लगभग तीन–चार महीने बाद वापसी कर रहा था। मुझे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिले थे और फिर अचानक मुझे मौका मिला।'' उन्होंने कहा, '' मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण कर रहा था इसलिए थोड़ा घबराया हुआ था।'' आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए लगातार दो मैचों में 'मैन ऑफ द मैच' रहे मयंक को पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैबिलिटेशन के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में लंबा समय बिताना पड़ा।

सुविचार

मेहनत करने का कोई मौसम नहीं होता, जब करना शुरू करो वही मौसम हसीं बन जाती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षित व सुखद आयोजन कैसे हों?

चेन्नई में मरीना बीच पर वायुसेना का 'एयर शो' रोमांचक रहा, लेकिन कई लोगों की तबीयत बिगड़ने और पांच लोगों के जान गंवाने की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। यह कैसे हुआ, क्या आयोजन स्थल पर पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, अगर थे तो कमी कहां रह गई, लोगों ने किन सावधानियों का पालन नहीं किया, ऐसी घटनाओं को भविष्य में कैसे टाला जा सकता है ... जैसे कई बिंदुओं को शामिल करते हुए इसकी जांच होनी चाहिए और रिपोर्ट के निष्कर्षों को सार्वजनिक करना चाहिए। भारत में हर साल विभिन्न आयोजनों में काफी तादाद में लोग इकट्ठे होते हैं। बेशक हर जगह अप्रिय घटनाएं नहीं होतीं, लेकिन कई जगह होती हैं। यह हकीकत है, जिससे इन्कार नहीं किया जा सकता। कहीं गर्मी, कहीं भगदड़, कहीं करंट तो कहीं दीवार / छत आदि गिरने से लोग घायल होते हैं और जान भी गंवाते हैं। अगर किसी भी आयोजन से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाए तो अप्रिय घटनाओं को काफी हद तक टाला जा सकता है। आयोजकों को यह बात याद रखनी चाहिए कि जितने लोगों के आने की संभावना है, इंतजाम उससे ज्यादा करें। आयोजक चाहते हैं कि कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग आएं। ऐसी इच्छा रखना गलत नहीं है। वे इस बिंदु को नज़रअंदाज़ न करें कि अब सोशल मीडिया का ज़माना है। आप जितने लोगों को न्योता दे रहे हैं, सोशल मीडिया के जरिए उसका संदेश लोगों तक पहुंचते-पहुंचते वायरल भी हो सकता है। क्या यह उचित समय नहीं है कि जरूरत से ज्यादा भीड़, अव्यवस्था और अप्रिय घटनाओं को टालने के लिए तकनीक के जरिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि उतनी ही तादाद में लोगों को प्रवेश दिया जाए, जितने लोगों के लिए जगह है? इसमें परिस्थितियों के आधार पर तादाद को थोड़ा और बढ़ाए जाने की गुंजाइश भी रहे।

कुछ साल पहले चीन में एक युवती ने अपनी शादी का निमंत्रण पत्र दोस्तों के साथ साझा करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया था। उसके परिवार ने यही सोचा था कि शादी में ज्यादा से ज्यादा डेढ़ सौ-दो सौ मेहमान आएंगे। इतनी तादाद को ध्यान में रखते हुए सभी इंतजाम किए गए। इस बीच युवती द्वारा पोस्ट किया गया निमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर शेयर होते-होते जबर्दस्त वायरल हो गया। जिस दिन शादी थी, वहां 8,000 से ज्यादा मेहमान आ गए थे! उन्हें देखकर घरातियों के होश उड़ गए। उन्होंने इतने लोगों के लिए इंतजाम नहीं किए थे और न वे कर सकते थे। बड़े आयोजनों में इस पहलू का खास ध्यान रखना चाहिए। अगर गर्मी पड़ रही हो तो छाया की व्यवस्था करें। सबके लिए ऐसा करना संभव न हो तो निजी छाता, पानी की बोतल आदि लाना अनिवार्य करें। नींबू, सौंफ, इलायची जैसी चीजें लाने की सलाह दें, ताकि किसी का जी मिचलाने पर इनके सेवन से कुछ राहत तो मिले। आयोजन स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिएं। एंबुलेंस जैसे वाहनों की निकासी के संभावित मार्ग को लेकर जरूर विचार करना चाहिए। जो लोग स्वास्थ्य संबंधी कारणों से प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियां (बहुत गर्मी या बहुत सर्दी) और भीड़भाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकते, उनसे विनम्र निवेदन करें कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। आयोजन करने से पहले भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर सुरक्षा के बिंदुओं का आकलन जरूर करें। एक भी बिंदु को नज़रअंदाज़ करना भारी पड़ सकता है। याद करें, साल 2018 में पंजाब के अमृतसर में दशहरे पर रावण दहन के दौरान बड़ा हादसा हुआ था। आयोजन स्थल से कुछ ही दूरी पर ट्रेन की पटरियां थीं। लोग वहां खड़े होकर मेले का आनंद ले रहे थे। उसी दौरान ट्रेन आ गई और लगभग पांच दर्जन लोगों को काटती हुई निकल गई थी। जहां हंसी-खुशी का माहौल था, वहां मातम पसर गया। अगर आयोजक और दर्शक थोड़ी-सी सावधानी बरतते तो लोगों की जानें बच सकती थीं। सही तैयारी, सूझबूझ और सतर्कता से ही हादसों को टाला जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

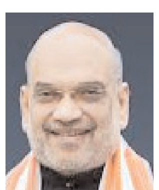

आज नई दिल्ली में नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। नक्सलवाद देश के विकास व शांति का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसने असंख्य लोगों का भविष्य अंधकार मय कर दिया।

-अमित शाह

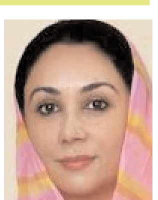

वीकेआई एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में शामिल हुई। इस अवसर पर व्यापारी बंधुओं के साथ संवाद कर विकसित राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने एवं राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने में विद्याधर नगर की भागीदारी को लेकर चर्चा की।

-दीया कुमारी

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, जनकल्याण, सुशासन और समाज के उत्थान हेतु समर्पित किया है। यह 23 वर्षों की अनवरत साधना उस अद्वितीय समर्पण का प्रतीक है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निरंतर कार्यरत रहने की प्रेरणा देती है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

दानवीर माघ

माघ जितने बड़े कवि थे, उतने ही बड़े दानी। अपने दरवाजे पर आने वाले याचक को दान देने से उन्हें संतोष मिलता था। एक दिन राजा ने राजसभा में उनके द्वारा रचित काव्य की पंक्तियां सुनकर उन्हें इनाम के रूप में धन दिया। उन्होंने तमाम धनराशि रास्ते में याचकों को बांट दी। घर पहुंचे, तो द्वार पर भी याचक खड़ा था। उसे देने के लिए उनके पास कुछ नहीं बचा था। याचक ने आंखों में आंसू भरकर कहा, 'मेरी बूढ़ी मां बीमार है। दवा के लिए भी पैसे नहीं हैं।' माघ ने सुनते ही द्रवित होकर प्रार्थना की, 'हे मेरे प्राण, इस विवशता में आप स्वयं मुझे छोड़ चलिए। आत्महत्या पाप है, अन्यथा में प्राण त्याग देता।' अचानक उनका एक मित्र पहुंचा। वह देखते ही सब समझ गया। उसने अपनी जेब से मुद्रा निकाली और याचक को दे दी। माघ ने मित्र में भी भगवान के दर्शन किए, जिसने उनकी लाज बचा ली।

सामयिक

बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्तूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे।

'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

मंथन

अच्छी बारिश ने रेतीले राजस्थान में सूखे कुओं को किया रिचार्ज

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश के अनेक राज्यों में भारी वर्षा से नदी, नालों, तालाबों, झीलों, कुओं और बांधों में पानी की अच्छी आवक से भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर देखी जा रही है। मरू प्रदेश राजस्थान में इस मानसून में जोरदार वर्षा होने से फसल अच्छी हुई है वहीं सूखे कुएं रिचार्ज हो रहे है। ग्रामीणों का कहना है हमारी नदियों और अन्य स्रोतों में पानी की अच्छी आवक होने से भूमिगत जलस्तर में आशातीत रूप से वृद्धि हुई है। अनेक नदियां वर्षों से सूखी पड़ी थी, उनमें भी पानी आया है। भूजल स्तर में वृद्धि होने से डार्क जोन क्षेत्रों के कुओं, हैडपम्पों और ट्यूबवेल सहित अन्य स्रोतों में पानी आने से पेयजल की किल्लत ख़त्म होने के आसार है। प्रदेश के लगभग सभी बांध पानी से लबालब भर गए है जिससे सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में अच्छी मदद मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस से पचास वर्षों की अवधि में सूखे की मार झेल रही अनेक जिलों की नदियों में पानी की आवक से लोगों के चेहरों पर ख़ुशी देखी जा रही है। मानसून ने पिछले 50 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है पानी की अच्छी आवक से भूमिगत जलस्तर में आशानुरूप रिचार्ज होने के समाचार मिल रहे है। बारिश ने पचास के बाद प्रदेश में नया रिकॉर्ड बनाया है। विशेषकर पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों में पेयजल की किल्लत ख़त्म होने की जानकारी मिली है। इस क्षेत्र के सूखे पड़े कुएं रिचार्ज होने से लोगों में पानी के लिए मारा मारी ख़त्म हुई है।

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश रेतीला, बंजर, पर्वतीय और उपजाऊ कच्छारी मिट्टी से मिलकर बना है। राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण आधारित है। कृषि और पशु पालन यहां के निवासियों के मुख्य रोजगार है। वर्षा की अनियमितता के कारण यह प्रदेश अनेकों बार सूखे और अकाल का शिकार हुआ। मगर प्रदेश- वासियों ने विपरीत स्थितियो में भी जीना सीखा और अपने बुलन्द हौसले को बनाये रखा। राजस्थान अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों निजी कुओं के निर्माण से भूजल के दोहन में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा खेती में सिंचाई भूजल के माध्यम से होती है। जिसके परिणामस्वरूप भूजल में गिरावट आई है। भू-जल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं होने से संकट बढ़ रहा है। घटते भू-जल के लिए सबसे प्रमुख कारण उसका अनियन्त्रित और अनवरत दोहन है। इस वर्ष मानसून में अनेक ऐसी नदियों और तालाबों में पानी आने के समाचार भी मिल रहे जो वर्षों से सूखे की मार झेल रहे थे। भूजल खेती और सिंचाई के कार्य में बहुतायत से उपयोग में आता है।

'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023' शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय-पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान की एक रिपोर्ट में बताया गया है, भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक भूजल स्तर को फिर से जीवंत करने में वर्षा जल मदद करता है। पेयजल का मुख्य स्रोत भूगर्भ जल ही है। भूजल वह जल होता है जो चट्टानों और मिट्टी से रिस जाता है और भूमि के नीचे जमा हो जाता है। जिन चट्टानों में भूजल जमा होता है, उन्हें जलभृत कहा जाता है। भारी वर्षा से जल स्तर बढ़ सकता है और इसके विपरीत, भूजल का लगातार दोहन करने से इसका स्तर गिर भी सकता है।

नजरिया

सुशासन के संकल्पों को साकार करता मोहन का मध्यप्रदेश

हर्षवर्धन पाण्डे

शासन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाबदेही,पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है। भारतवर्ष में आदिकाल से ही सुशासन की परंपरा रही है। आदिकाल की इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्य प्रदेश भी सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसम्बर 2023 को प्रदेश की बागडोर संभाली। उनके बागडोर संभालते ही प्रदेश में सुशासन का सूर्यादय हुआ है। प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूलमंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 9 माह की अल्पावधि में कई जनहितकारी फैसलों से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए गए हैं। सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतिफल है कि आज प्रदेश में मोहन सरकार जनता से जुड़े फैसले ले रहे हैं । इसका मुख्य कारण स्वच्छ और ईमानदार प्रशासन और सरकारी काम-काज में पारदर्शिता लाना रहा है। आम आदमी की जिंदगी में बदलाव लाना मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्य उद्देश्य है। अल्प अवधि में मोहन सरकार ने जनता से किए गए वादे पूर्ण करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं, जिसके कारण प्रदेश में विकास का नया दौर शुरू हुआ है। सेवा, सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के संकल्प को लेकर प्रदेश सरकार जनता की सेवा में दिन-रात लगी हुई है।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में अपने काम से न केवल जनता का दिल जीता है बल्कि अपने सख्त निर्णयों के माध्यम से राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने भी अपनी अलहदा पहचान बनाने में सफलता पाई है। उन्होंने योग्य अफसरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर अपने बुलंद इरादों को सभी के सामने जता दिए। इस छोटे से कार्यकाल में उन्होंने अपनी खुद की नई टीम बनाई और सीएम आवास से लेकर मंत्रालय, संभाग और जिलों में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करने से भी परहेज नहीं किया। हर समय एक्शन में रहने वाले डा. मोहन यादव के तेवरों को देखकर आज प्रदेश में पूरी नौकरशाही सहमी हुई है। मंत्रालय का वल्लभ भवन कमलनाथ के दौर में दलालों का अड्डा बना था। वहाँ पर भी ताबड़तोड़ तबादलों से मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने खलबली मचा दी। हर किसी अधिकारी के ट्रैक रिकार्ड को न केवल खंगाला बल्कि कार्यक्षमताओं के अनुरूप सभी को नए कार्यों का प्रभार सौंपा। ख़ास बात ये है इस सरकार में बेलगाम नौकरशाही पर भी नकेल कसी गई है जिस कारण मध्यप्रदेश का डबल इंजन विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए मुखिया की तीव्र गति से निर्णय लेने की क्षमताओं से मध्यप्रदेश में एक बदलाव की नई बयार देखने को मिल रही है। नई विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था होने से अब प्रदेश के विकास कार्यों में न केवल तेजी आयी है बल्कि समय -समय पर मॉनीटरिंग किये जाने से जनता के हित में तेजी से निर्णय लिये जा रहे हैं।

साइबर तहसील डिजिटल इंडिया की दिशा में प्रदेश के नागरिकों को सुविधा प्रदान करने की दिशा में की गई बड़ी पहल है। इसके जरिए लोगों को कई कामों को करने में आसानी हुई है। खास तौर पर भूमि या भूखंड खरीदी बिक्री के बाद आने वाली कठिनाइयों को साइबर तहसील के जरिये काफी आसान कर दिया गया है। इससे लोगों को भाग दौड़ से निजात मिल रही है और समय की भी बचत हो रही है। साइबर तहसील खोले जाने का सबसे प्रमुख उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और लोगों को सुविधा पहुंचना है। साइबर तहसील बनने के बाद रजिस्ट्री होने पर बिना किसी आवेदन के नामांतरण प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। साइबर तहसील में सार्वजनिक नोटिस की प्रक्रिया को भी सरल किया गया है। क्रेता- विक्रेता और गांव के निवासियों को एसएमएस के माध्यम से सार्वजनिक नोटिस जारी किया जाता है। इसके अलावा आपत्तियों को लेकर भी ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन किया जाता है। एसएमएस में 10 दिनों के अंदर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करने के लिए लिंक भी प्रदान किया जाता है। साइबर तहसील में पटवारी की सकारात्मक रिपोर्ट और कोई आपत्ति नहीं होने पर तुरंत नामांतरण आदेश जारी किया जाता है। इसके अलावा भू अभिलेख अपडेट करने को लेकर भी रियल टाइम में तुरंत खसरा, नक्शा जैसे भू अभिलेख ऑनलाइन दर्ज हो जाते हैं। इतना ही नहीं प्रमाणित प्रति भी व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से तुरंत भेज दी जाती है। मुख्यमंत्री की शपथ लेने के तुरंत बाद डा. मोहन यादव का पहला फैसला मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थानों पर जोर से लाउड स्पीकर बजाने और खुले में मांस और अंडे की बिक्री पर सख्ती से रोक का रहा। इस फैसले का सभी ने तहे दिल से स्वागत किया। अपराधियों के घरों पर मोहन सरकार भी अपनी बुलडोजर नीति पर चल रही है जिससे अपराधियों के मन में खौफ बैठ गया है।मुख्यमंत्री डा.मोहन नई बसाहट के साथ काम करना चाहते हैं जो त्वरित निर्णय ले सके।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने 100 दिनों के कार्यकाल में पहली बार हुकुमचंद मिल इंदौर के 4 हजार 800 श्रमिकों को उनका हक दिलाया है। तीस वर्ष से अटके इस मामले को डॉ. मोहन यादव ने एक ही बैठक में निपटा दिया। मध्यप्रदेश सरकार, राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार के बीच 28 जनवरी को श्रमशक्ति भवन स्थित जल शक्ति मंत्रालय के कार्यालय में संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए जिससे मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा अंचल के 13 जिलों की आम जनता को मिलेगा। कई बरसों से लटके इस मामले को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जयपुर में एक ही बैठक में निपटा दिया। सीएम के निर्देश पर राजस्व महाअभियान चलाया गया जिसमें लाखों प्रकरणों का निपटारा हुआ। अभियान के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण भी किया गया। अविवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 30 दिन में, विवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 150 दिन में किया जायेगा। बंटवारा प्रकरणों के निराकरण की समय-सीमा 90 दिन है और सीमांकन प्रकरणों को 45 दिन में निराकृत करने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही नक्शे में तरमीम का कार्य सतत जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीराम पथ गमन न्यास की पहली बैठक में अयोध्या की तर्ज पर चित्रकूट में भी विकास कार्य करवाए जाने की बड़ी घोषणा की। जिन स्थानों से भगवान राम गुजरे सरकार ने उन स्थानों को सड़क मार्ग से जोड़ने का ऐलान कर सनातन प्रेमियों का दिल जीतने का काम किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव की सरकार ने महाकाल की नगरी में रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव' के सफल आयोजन किया जिसके माध्यम से प्रदेश में निवेश की बड़ी संभावनाएं बन रही हैं। उज्जैन धार्मिक पर्यटन के साथ इंदौर और देवास से मिलकर एक महानगर के रूप में विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री प्रयत्नशील हैं। मोहन सरकार की अब तक की दिशा देखकर स्पष्ट नजर आता है कि वह पार्टी के संकल्प पत्र में किये गए वायदों को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और मोदी की हर गारंटी पूरा करने के लिए डॉ. मोहन यादव ने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी है। मध्यप्रदेश के गरीब और मध्यमवर्ग के परिवारों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा परिवार में कोई सदस्य अगर बीमार पड़ गया तो उसे एयर एम्बुलेंस जैसी सुविधा मिलेगी लेकिन डॉ. मोहन ने अपने कार्यकाल में प्रदेश की जनता को इसकी बड़ी सौगात दी।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने गुड गवर्नेंस के मॉडल को सभी के सामने पेश किया है जिसमें जनता के हितों की अनदेखी होनी फिलहाल तो मुश्किल दिखाई दे रही है। नया 'मोहन मॉडल 'सबकी जुबान पर चढ़ रहा है। एमपी की जनता भी उनके निर्णयों पर हामी भरती नजर आ रही है। पक्ष और विपक्ष भी उनकी नीतियों और काम करने के अलहदा अंदाज का का तोड़ नहीं निकाल पा रहा है। हालाँकि सरकार का 10 माह का कार्यकाल बहुत छोटा होता है लेकिन मोहन यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में इस बात को प्रदेश के भीतर स्थापित कर दिया है उन्हें कमतर आंकने की भूल कोई भी नहीं करे, वह मध्यप्रदेश की राजनीती नहीं बल्कि देश की सियासत में भी लम्बी रेस के घोड़े साबित होंगे।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समूह फोटो

मुंबई में निवेश पर 12वें भारत-यूएई उच्च स्तरीय संयुक्त कार्य बल के दौरान एडीआईए के एमडी एचएच शेख हामिद बिन जायद अल नाहयान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक समूह फोटो में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

मानव की वजह से पक्षियों के विलुप्त होने से कार्य विविधता में आई कमी: अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा

पिछले 1,30,000 वर्षों में मनुष्यों के कारण पक्षी प्रजातियों के विलुप्त होने से पर्यावरण में पक्षियों की कार्यात्मक विविधता में काफी कमी आई है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है।

इसमें पाया गया कि इस विलुप्ति के परिणामस्वरूप तीन अरब वर्षों का विशिष्ट विकासवादी इतिहास भी नष्ट हो गया।

ब्रिटेन के बर्मिंघम विश्वविद्यालय के नेतृत्व में अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि प्लीस्टोसीन युग के अंत से लेकर अब तक पक्षियों की कम से कम 600 प्रजातियां, जिनमें 'डोडो' और 'कौआई ओ' भी शामिल हैं, मनुष्यों के कारण विलुप्त हो चुकी हैं। यह कालखंड 26 लाख वर्ष पूर्व से लेकर 11,700 वर्ष पूर्व तक का है, जब आधुनिक मानव ने पूरे विश्व में फैलना शुरू किया था।

डोडो, कबूतर परिवार से संबंधित एक भारी पक्षी है जो कम उड़ान भरता है और इसका मूल पर्यावास मॉरीशस द्वीप था, जबकि 'कौआई ओ' का पर्यावास मूल रूप से हवाई द्वीप कौआई रहा था और इसे 2023 में विलुप्त घोषित किया गया था।

'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में लेखकों ने लिखा है, ''पिछले 1,30,000 वर्षों में ज्ञात पक्षी प्रजातियों में से लगभग पांच प्रतिशत विलुप्त हो चुकी हैं। द्वीपों पर प्रजातियों की, कार्य संबंधी और वर्ग अनुवांशिकी की विविधता क्षति बहुत अधिक है।''

बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के प्रमुख अनुसंधानकर्ता टॉम मैथ्यूज ने कहा, ''यह अध्ययन वैश्विक संरक्षण रणनीतियों एवं पारिस्थितिकी तंत्र बहाली के लिहाज से प्रभावी लक्ष्य तय करने के लिए महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि जब प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं तो पर्यावरण विविधता में उनकी विशेष भूमिका का भी अंत हो जाता है।

उम्र संबंधी समस्याओं की जांच करा रहा हूं, चिंता की कोई बात नहीं: रतन टाटा

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है और वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच करा रहे हैं। मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती होने की खबरों को ''अफवाह'' करार देते हुए टाटा (86) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' ये दावें निराधार हैं।'' उन्होंने कहा, '' मैं उम्र संबंधी बीमारियों के कारण अभी चिकित्सकीय जांच करा रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं सही हूं।'' टाटा ने जनता और मीडिया से अनुरोध किया कि वे ''गलत जानकारी फैलाने से बचें।'' उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मार्च 1991 से दिसंबर 2012 तक टाटा समूह का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, ''चिंता की कोई बात नहीं है। मैं अच्छे मूड में हूं।'' उन्होंने लोगों और मीडिया से गलत सूचना फैलाने से बचने का अनुरोध भी किया।

अल्बानिया में आयोजित भारत उत्सव में भारतीय व्यंजनों, परंपरा और वास्तुकला की दिखी झलक

तिराना/भाषा

अल्बानिया के राष्ट्रपति के राजप्रसाद का एक हिस्सा कुछ समय के लिए भारतीय शाही दरबार में तब्दील हो गया जिसमें रामपुर की समृद्ध पाककला, पारंपरिक संगीत और फैशन की झलक दिखाई दी।हजारों मील की दूरी पर यह संभव हुआ अल्बानिया में भारत की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित पहले भारत महोत्सव की वजह से। इस उत्सव का आयोजन पिछले सप्ताह अल्बानिया के अर्थव्यवस्था, संस्कृतिक और नवाचार मंत्रालय द्वारा किया गया क्योंकि बाल्कन का यह छोटा सा देश भारत के साथ अपने संबंधों को प्रगाढ़ करना चाहता है और इसकी शुरुआत वह लोगों से लोगों के बीच संपर्क के साथ कर रहा है। ''मिनी फेस्टिवल ऑफ इंडिया इन तिराना' नाम से की गई इस पहल में ''शाही रात्रि भोज'' के अलावा आजादी के बाद से भारत की वास्तुकला में की गई प्रगति को भी प्रदर्शित किया गया। इस पूरे आयोजन की परिकल्पना भारत में अल्बानिया के मानद महा वाणिज्यदूत दीक्षु कुकरेजा की थी। सात चरणों के रात्रिभोज के लिए भारत से एक खानसामा और 28 किलोग्राम मसाले मंगवाए गए थे। इस भोज में नेताओं, कारोबारियों और कलाकारों सहित करीब 100 प्रभावशाली लोगों ने हिस्सा लिया। इस भोज की मेजबानी रामपुर शाही परिवार के काजिम अली खान ने की। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य खान ने कहा, ''रामपुर का शाही रसोईघर न केवल पाककला की विरासत है, बल्कि यह हमारी संस्कृति की आत्मा का प्रतिबिंब है। मुझे इसे इतने भव्य तरीके से फिर से स्थापित होता देखकर गर्व हो रहा है।''

खान ने कहा कि अल्बानिया में रात्रिभोज का आयोजन एक चुनौती थी, क्योंकि उन्हें उचित बर्तन नहीं मिल सके जिनमें आमतौर पर भारतीय भोजन पकाया जाता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रामपुरी भोजन आमतौर पर बहुत मसालेदार होता है, इसलिए खानसामा को इसे यहां के निवासियों के स्वाद के अनुरूप बदलना पड़ा। एक और चुनौती व्यंजनों में इस्तेमाल की जाने वाली प्रामाणिक सामग्री की तलाश थी। अल्बानिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने कहा कि यह ''शानदार आयोजन'' दोनों देशों के बीच मित्रता का प्रतीक है। अल्बानिया के अर्थव्यवस्था, संस्कृति और नवाचार मामलों के मंत्री ब्लेंडी गोन्झा ने कहा कि यह रात्रिभोज ''हमें न केवल भारतीय व्यंजनों के स्वाद के करीब लाता है, बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि को भी करीब लाता है, जो हमारी संस्कृतियों, परंपराओं, इतिहास और कला के प्रति हमारे साझा सम्मान के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई हैं।'

भारत, यूएई खाद्य गलियारा स्थापित करने पर दो अरब डॉलर का निवेश करेंगे : गोयल

मुंबई/भाषा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दो अरब डॉलर के अनुमानित निवेश से एक खाद्य गलियारा स्थापित करेंगे जो यूएई एवं अन्य खाड़ी बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगा। इससे भारत के किसानों को अधिक आमदनी एवं अधिक रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत-यूएई उच्चस्तरीय कार्यबल की 12वीं बैठक के बारे में यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच खाद्य गलियारे की स्थापना को मिशन के तौर पर आगे बढ़ाने के लिए एक छोटा कार्यसमूह भी गठित किया गया है जिसमें केंद्र सरकार, संबंधित राज्य सरकारें और यूएई शामिल हैं। गोयल ने कहा, ''भारत में खाद्य पार्कों की स्थापना के बारे में बहुत विस्तार से चर्चा की गई। इससे जुड़ा बुनियादी काम काफी हद तक पूरा हो चुका है। यह एक और क्षेत्र है जो किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करेगा, हमारे हजारों युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण में रोजगार देगा और यूएई की खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगा।

'' उन्होंने कहा कि यूएई ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और खाद्य पार्क लॉजिस्टिक में निवेश के लिए लगभग दो अरब डॉलर की शुरुआती प्रतिबद्धता जताई है। भारत से यूएई को खाद्य उत्पाद पहुंचाने के लिए लॉजिस्टिक सुविधाओं की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, ''हमने केंद्र एवं राज्य सरकारों और यूएई की भागीदारी वाले एक छोटे कार्यसमूह का गठन किया है, जो दोनों देशों के बीच एक खाद्य गलियारे की स्थापना को मिशन के तौर पर आगे बढ़ाएगा।'' उन्होंने अगले ढाई साल में यह निवेश होने की उम्मीद जताते हुए कहा, ''काफी समय से चर्चा है कि यूएई भारत में खाद्य प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करने में निवेश करना चाहेगा ताकि उसके लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके, भारतीय किसानों के उत्पादों का उपयोग किया जा सके और उन्हें यूएई में बेचा जा सके।''

गोयल ने कहा, ''यह मामला काफी समय से यूएई सरकार और भारत के विभिन्न राज्यों के साथ चर्चा में है। अब हम यह सुनिश्चित करने की तेजी से कोशिश कर रहे हैं कि यूएई के निवेशकों और यूएई एवं अन्य खाड़ी बाजारों के साथ भारत में खाद्य प्रसंस्करण में निवेश हो सके।''

उत्सव

कोलकाता के सियालदह रेलवे स्टेशन पर दुर्गा पूजा उत्सव में ढोल वादक अपनी ढाकियों के साथ पहुंचे।

प्रचार

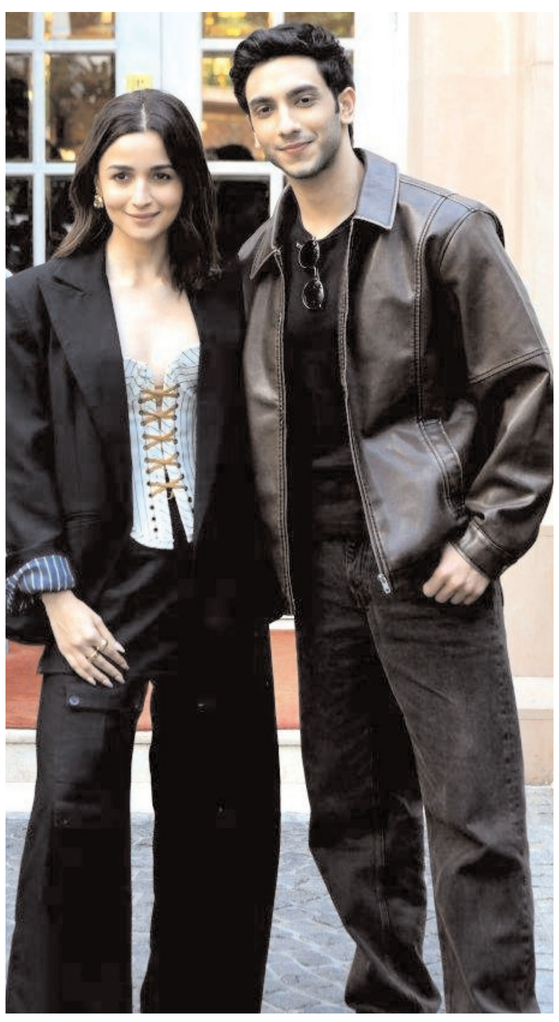

नई दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री आलिया भट्ट।

छह फीट से ज्यादा लंबी युक्ता मुखी फिल्म इंडस्ट्री में नहीं हासिल कर पाईं ऊंचा मुकाम

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार हुए हैं जो आए तो अपनी काबिलियत के दम पर लेकिन लंबे समय तक टिक नहीं सके। आज गुमनामी की जिंदगी जी रहे इन कलाकारों में पूर्व मिस वर्ल्ड युक्ता मुखी का नाम भी शामिल है। बेंगलूरू में 7 अक्टूबर 1977 को जन्मी और 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीतने वाली यह अभिनेत्री आज कैमरों की नजर से कोसों दूर हैं। मिस इंडिया बनने के बाद उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब भी अपने नाम किया, जो इतिहास रचने से कम नहीं था। 6.1 इंच की लंबाई वाली यह अभिनेत्री इंडस्ट्री में वह मुकाम हासिल नहीं कर पाईं जो वह चाहती थीं। युक्ता ने 2002 में फिल्म 'प्यासा' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्री हुई हैं जिनका करियर शादी के बाद खत्म हो गया। युक्ता मुखी ने भी शादी के बाद काम न करने का फैसला किया। ऐसी भी खबरें आई थीं कि अपनी हाइट की वजह से वह बॉलीवुड में चल नहीं पाईं। पूर्व मिस वर्ल्ड ने 2008 में न्यूयॉर्क के एक बड़े बिजनेसमैन प्रिंस तुली से शादी की, लेकिन यह शादी ज्यादा दिन तक टिक नहीं पाई। उन्होंने मीडिया के सामने अपने पति पर दहेज प्रताड़ना और अननेचुरल सेक्स का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि उनके पति उन्हें जानवरों की तरह पीटते हैं। लंबे समय तक कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद आखिरकार युक्ता मुखी को 2014 में अपने पति तलाक मिला। फिल्मी करियर की बात करें तो युक्ता की पहली फिल्म 'प्यासा' बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा धमाल नहीं कर पाई। इसके बाद उन्होंने 2003 में 'कब क्यों कहां' और 'हम तीनों' साइन की लेकिन वह अधूरी रही। युक्ता मुखी को पिछली बार फिल्म गुड न्यूज में देखा गया था। मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करने से पहले वह वी.जी. वाजे कॉलेज से जूलॉजी की पढ़ाई कर रही थीं।

मध्य प्रदेश सरकार राजकुमार हिरानी को देगी किशोर कुमार सम्मान अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

मध्य प्रदेश सरकार ने लीजेंडरी किशोर कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए फेमस डायरेक्टर राजकुमार हिरानी को प्रेस्टीजियस किशोर कुमार सम्मान 2023 से नवाज़ने का फैसला किया है। यह सम्मान समारोह 13 अक्टूबर को खंडवा में उनकी डेथ एनिवर्सरी पर आयोजित किया जाएगा। पुलिस परेड ग्राउंड में होने वाले इस इवेंट को इंडियन सिनेमा के महानायक को समर्पित किया गया है। राजकुमार हिरानी इंडियन सिनेमा के बेहतरीन फिल्म मेकर्स में से एक हैं, जो अपनी फिल्मों के माध्यम से हमेशा सामाजिक मुद्दों को उजागर करते आए हैं। अब इस इवेंट में उन्हें इंडस्ट्री में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। राजकुमार हिरानी अपनी क्लासिक फिल्मों 3 इडियट्स, पीके, संजू, मुन्ना भाई एमबीबीएस और डोंकी के लिए जाने जाते हैं। 2024 में वह इंडियन सिनेमा में 20 साल पूरे कर रहे हैं। उन्होंने 2003 में मुन्ना भाई एमबीबीएस से करियर शुरू किया था। यह अवार्ड इस मील का पत्थर मानते हुए उनके योगदान को और भी खास बनाता है।

कई सालों से कई नामी सेलिब्रिटीज जैसे अमिताभ बच्चन, मनोज कुमार, दिलीप कुमार, धर्मेंद्र, और शत्रुघ्न सिन्हा को किशोर कुमार सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा प्रोड्यूसर्स, डायरेक्टर्स और लिरिसिस्ट भी इस सम्मान का हिस्सा रहे हैं। इस साल राजकुमार हिरानी को यह अवॉर्ड भोपाल के कल्चरल डिपार्टमेंट की ओर से दिया जाएगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा के दिग्गजों में और भी ऊंचा दर्जा दिलाएगा।

इस इवेंट में किशोर नाइट भी शामिल होगी, जो किशोर कुमार को समर्पित एक स्पेशल म्यूजिकल श्रद्धांजलि होगी। मुंबई के मशहूर गायक नीरज श्रीधर और उनकी टीम किशोर दा के कुछ सबसे पसंदीदा गाने पेश करेंगे। यह उनके एवर ग्रीन म्यूजिक लवर्स के लिए एक पुरानी यादों को ताज़ा करने वाली रात होगी। किशोर कुमार की जिंदगी और विरासत का ये उत्सव राजकुमार हिरानी को सम्मानित करने के साथ ये सुनिश्चित करता है कि किशोर कुमार का प्रभाव आगे आने वाली पीढ़ियों के फिल्म मेकर्स और मुजिशियंस को प्रेरित करता रहेगा।

भविष्य की फिल्मों में सोशल मीडिया की होगी अहम भूमिका : अनन्या पांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि चाहे रोमांस हो या थ्रिलर, सोशल मीडिया आने वाले समय में फिल्मों में अहम भूमिका निभाएगा। अनन्या पांडे ने हाल ही में आधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित 'सीटीआरएल', 'कॉल मी बे' और 'खो गए हम कहां' जैसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। विक्रमादित्य मोटवानी निर्देशित 'सीटीआरएल' में अनन्या ने नेला नामक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की भूमिका निभाई है, जिसकी जिंदगी उस समय तबाह हो जाती है जब वह अपने धोखेबाज पूर्व प्रेमी (विहान समत) को अपने डिजिटल जिंदगी से मिटाने के लिए एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) की मदद लेती है। अभिनेत्री ने अपनी तीन फिल्मों की रिलीज के समय के बारे में भी बात की, जहां उनके पात्रों की डिजिटल जिंदगी कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अनन्या ने फिल्मों में सोशल मीडिया के महत्व को लेकर कहा, मुझे लगता है कि यह वह समय है जिसमें हम रह रहे हैं। यह वह पीढ़ी है जिसमें हम रह रहे हैं, जहां प्रौद्योगिकी हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा है। 'जनरेशन जेड' का हिस्सा होने के नाते, ये कहानियां मेरे लिए प्रासंगिक हैं। यह कुछ ऐसा है जो अभी शुरू हो रहा है।

अनन्या ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, रोमांटिक शैली या थ्रिलर शैली में, यह (तकनीक) एक प्रचलित चरित्र होगा। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो मौजूद है। भविष्य में ऐसी फिल्म बनाना मुश्किल होगा जिसमें कुछ प्रभाव या सोशल मीडिया न हो। आगे चलकर यह कई और कहानियों में होगा। अनन्या (25) ने शकुन बत्रा की फिल्म 'गहराइयां' को अपने करियर की महत्वपूर्ण फिल्म बताया। वर्ष 2022 में आई इस फिल्म में उनके अभिनय की काफी प्रशंसा हुई थी। फिल्म में दीपिका पादुकोण, सिद्धांत चतुर्वेदी और धैर्य करवा भी अहम भूमिका में थे।

उन्होंने कहा, अब, मुझे लगातार ऐसा लग रहा है, 'ओह, मैं पहले से अलग हूं।' और हमारा फिल्म उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। अनन्या ने कहा कि 'गहराइयां' में उनका अभिनय देखने के बाद मोटवानी ने उन्हें 'सीटीआरएल' में काम करने का प्रस्ताव दिया।

अभिनेत्री ने कहा, ये मेरे पसंदीदा निर्देशक हैं और मुझे उनके साथ काम करना बहुत पसंद है। शायद मुझे लेकर उनके विचार बदल गए हैं... मैं हमेशा से इन निर्देशकों के साथ काम करने के लिए तैयार रही हूं। अब मुझे जो काम के अवसर मिल रहे हैं, वे एक अभिनेत्री के रूप में अधिक संतोषजनक हैं। अनन्या करण जौहर और संजय लीला भंसाली समेत अपने कई और पसंदीदा निर्देशकों के साथ भी काम करना चाहती हैं।

फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ अभिनीत आगामी रोमांटिक फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। पुलकित सम्राट ने इंस्टाग्राम हैंडल पर सुस्वागतम ख़ुशामदीद का टीजर शेयर करते हुये कैप्शन में लिखा,बहुत-बहुत आभार के साथ, सुस्वागतम ख़ुशामदीद का टीज़र पेश कर रहा हूं! अमन और नूर की एक प्रेम कहानी से कहीं अधिक। ट्रेलर जल्द ही आएगा। फिल्म जल्द ही आएगी। 22 नवंबर, आपके नज़दीकी थिएटर में।टीज़र में अमन शर्मा का किरदार निभाने वाले पुलकित सम्राट दुल्हे के वेश में ट्रेन के प्रवेश द्वार पर खड़े होते हैं, जबकि फिल्म में नूरजहां का किरदार निभाने वाली इसाबेल उनकी ओर दौड़ती हुई दिखाई देती है। इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल स्टारर 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के आइकॉनिक सीन को रीक्रिएट किया गया है। 'सुस्वागतम खुशामदीद' कैटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ की डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म में साहिल वेद, प्रियंका सिंह और मनु ऋषि चड्ढा भी हैं। धीरज कुमार द्वारा निर्देशित और श्रवण कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज कुमार, दीपक धर और अज़ान अली द्वारा निर्मित 'सुस्वागतम खुशामदीद' 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के अग्रवाल समाज कर्नाटक के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को जेपी नगर स्थित आर वी डेंटल कॉलेज के ऑडिटोरियम में हास्य काव्य सम्मेलन 'काव्य कलश' का आयोजन किया गया।

ट्रेंडसेटिंग फैशन कलेक्शन लेकर आ रही 'हाई लाइफ' प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मशहूर फैशन प्रदर्शनी 'हाई लाइफ' बेंगलूरु में 8 अक्टूबर से शुरू होगी। आयोजकों ने बताया कि इसका आगाज द ललित अशोक में होगा। यह 10 अक्टूबर तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। दी गई जानकारी के अनुसार, फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के लिए मशहूर इस प्रदर्शनी का लोगों को काफी समय से इंतजार था। यहां शरारा, लहंगा, अनारकली, ट्यूनिक्स और जैकेट समेत कई चीजें उपलब्ध रहेंगी, जो इस त्योहारी सीज़न को खास बना देंगी।

आयोजकों ने कहा कि इस नए सीज़न की शुरुआत भारत के सबसे पसंदीदा फैशन शोकेस के साथ करें। हाई लाइफ़ प्रदर्शनी नए फैशन कलेक्शन के साथ आ रही है।

यहां डिजाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन के सामान आदि की एक नई रेंज के साथ अपने लुक को स्टाइलिश बनाएं। आयोजकों ने कहा कि इस सीज़न में स्टाइलिश फैशन कलेक्शन के साथ स्टाइल स्टेटमेंट बनाएं। ट्रेंडसेटिंग फैशन कलेक्शन की खरीदारी करें।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध रहेंगे।

जीतो नार्थ की नई समिति ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीखे सफलता के मापदण्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नार्थ चैप्टर की नई समिति का प्रशिक्षण कार्यक्रम एक होटल में आयोजित किया गया। लगभग चार घंटे चले इस प्रोग्राम में गौतम देसरला एवम दिलीप जैन द्वारा बारी बारी से दोनों ने जीतो के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराते हुए कहा कि जीतो का मुख्य कार्य जैन समाज को सेवा, शिक्षा और आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करना है। यह संस्था बोर्ड ऑफ डायरेक्टर से लेकर स्थानीय चैप्टर तक की एक व्यवस्था के साथ पूरे विश्व में कार्यरत है। गौतम जैन ने बैठक की आयोजन, एजेंडा तथा दिलीप जैन ने बैठक में चर्चा का विषय, बैठक के मुददे आदि विषयों को प्रभावी ढंग से बताया और प्रशिक्षण दिया।

इसके पहले पूर्व चेयरमैन इंदरचंद बोहरा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विमल कटारिया के रूप में जीतो बेंगलूरु नार्थ चैप्टर को एक कोहिनूर हीरा मिला है जो 2024-26 के कार्यकाल में जीतो को नया आयाम देंगे। पूर्व महामंत्री सुधीर गादिया ने अपने विचार व्यक्त किए। नवनिर्वाचित महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा कि इंदरचंद बोहरा के कार्यकाल में नॉर्थ चैप्टर की नींव जो मजबूत हुई है उसका लाभ नई टीम को मिल रहा है। बोर्ड की बैठक में नवनिर्वाचित अध्यक्ष विमल कटारिया ने अध्यक्षता करते हुए नई टीम में जोश का संचार करते हुए कहा कि पद मात्र एक व्यवस्था है। पूरी कमेटी के सुझाव एवम सहयोग से ही सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न होंगे। इस बैठक में अक्टूबर में होने वाले कार्यक्रम पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम संयोजन दिनेश बाफना ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहसंयोजक मदन मुनोत ने धन्यवाद दिया।

हनुमंतनगर तेयुप ने नेत्रदान जागरुकता के लिए निकाली रैली, आयोजित किए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभातेयुप षष्ठीपूर्ति में मौके पर नेत्रदान पर विजन फॉर विजनलेस नामक अभियान के तहत तेयुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में तेयुप द्वारा जागरूकता पैदल एवं बाइक रैली, सेमिनार, संकल्प पत्र भरवाना आदि का किया गया। श्रावक निष्ठापत्र का वाचन पवन मांडोत ने किया। अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत करते हुए नेत्रदान से जुड़ी कई भ्रांतियों के बारे में बताया नेत्रदान किसी भी उम्र के व्यक्ति का हो सकता है। पवन मांडोत ने कहा कि विश्व में भारत में लगभग 40 लाख लोगों को दृष्टिज्योत की ज़रूरत है। भारत को इस अंधकार से मुक्त करने के लिए सरकार द्वारा आयोजित नेत्रदान पखवाड़े में विज़न फॉर विज़नलेस कार्यक्रम चलाया गया। इसी कड़ी में हनुमंत नगर परिषद ने भी रैली का आयोजन किया है जिसमें अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना एवं सभा अध्यक्ष गौतम दक ने नेत्रदान के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। ततपश्चात भवन से लगभग 2 किमी दूरी की नेत्रदान जागरूकता पैदल रैली का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बसवनगुड़ी विधायक एलए रवि सुब्रमण्यम के नेतृत्व में आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीनिवास नगर से नेत्रदान जागरूकता बाइक रैली का शुभारंभ किया गया।परिषद् नेत्रदान संयोजक महावीर देरासरिया ने बताया कि हमारी संस्था ऐसे मानव सेवा के कार्यों में सदैव तत्पर रहती है।

कार्यक्रम में अभातेयुप से अमित दक, गौतम खाब्या, कमलेश गन्ना, प्रदीप चौपड़ा, प्रसन्न धोका, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, सभा परामर्शक रोशन मांडोत, सुभाष बोहरा, महिलामण्डल मंत्री मीनाक्षी देरासरिया सहित तेयुप के अनेक वर्तमान व पूर्व पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन मंत्री संदीप चौधरी ने किया। आभार सज्जनराज कटारिया ने ज्ञापित किया।

उत्तराध्ययनसूत्र 32 आगमों में एक प्रतिष्ठामय सूत्र है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां गणेश बाग शिवाजीनगर में विराजित श्री शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने 'निरयावलिका सूत्र की प्रवचन माला' की विवेचना करते हुए कहा कि 32 आगमों में से 'वण्हिदशा' नामक सूत्र में त्याग धर्म को महत्वपूर्ण जिन्होंने भी समझा-श्रद्धा उत्पन्न हुई।

उत्तराध्ययनसूत्र जो 32 आगमों में एक गरिमा महिमा-प्रतिष्ठामय सूत्र है जिसको हजारों लोगों द्वारा रोजाना पारायण मूलप्राकृत भाषा में करते हैं। श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनों परम्पराओं में उत्तराध्ययन सूत्र की वैराग्य वर्धक तत्वज्ञान भरी गाथाओं का प्रयोग करते ही है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। प्रवचन सभा में आज विशेष उपस्थित रही। निरयावलिया पंचक सूत्र शुरू हो गया है।महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

लिंगराजपुरम बडेर में भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में आईमाता मंदिर लिंगराजपुरम के प्रांगण में शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव अत्यंत उल्लासमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कथावाचक संत श्री मनोहरदास ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर गोकुल में उनकी बाल लीलाओं की कथा का श्रवण कराया।

नंद घर आनन्द भयो, जय कन्हैयालाल की के जयकारों की गूंज के बीच निकाली गई दिव्य मनोहारी झांकियों में वासुदेव जी को मथुरा में कंस के कारागार में जन्मे अपने पुत्र श्री कृष्ण को उफनती मथुरा को पार कर गोकुल में नंदबाबा के घर पहुँचाने के दृश्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

इस दौरान मंदिर में पुजारी श्री नेमीचंद जी सारस्वत शास्त्री के सानिध्य में चल रहे दुर्गा सप्तशती के हवन अनुष्ठान में प्रतिदिन अलग अलग क्षेत्रों के सदस्य हवन में शामिल हो रहे हैं। जन्मोत्सव के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बेंगलूरु उत्तर विभाग के प्रमुख दोरैकांत, सीरवी सेवा संघ के अध्यक्ष नारायणलाल परिहार, सहसचिव जुगराज चोयल, मांगीलाल राठौड़, शिवलाल गेहलोत, वालाराम गेहलोत सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'आत्मिक गुण है सच्ची संपत्ति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर-शांतिसूरि जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. ने प्रवचन में कहा कि सभी भारतीय धर्मों ने जीवन में गुणों की प्राप्ति करने का उपदेश दिया है। सुखी एवं स्वस्थ जीवन हेतु न्यूनतम आचार संहिता के रूप में जैन शास्त्रों में 35 गुणों का वर्णन किया गया है जो किसी भी गृहस्थ के लिए उपयुक्त मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता है। अनंत काल से आत्मा ने भवभ्रमण के दौरान दोषों का ही सेवन किया है और इसीलिए वर्तमान में भी उसका झुकाव या लगाव दोषों के प्रति ही है। यदि इस भवभ्रमण के चक्कर से बाहर निकलना हो तो दोषों के विपरीत गुणों को विकसित करना आवश्यक है। गुणों को विकसित करने के लिए गुणों के प्रति और गुणवान व्यक्ति के प्रति आदर, प्रीति और आकर्षण होना जरूरी है। गुणों के प्रति अनुराग इसलिए जरूरी है कि आत्मा की उत्कृष्ट गुणमय दशा पाने के लिए यानी मोक्ष पाने के लिए गुणों का लगाव होना चाहिए। गुणानुराग ही मोक्ष का बीज है। क्रोध, मान, माया, लोभ आदि दोष है तो इसके विपरीत क्षमा, नम्रता, सरलता व संतोष को गुण कहा गया है। बुधवार से संघ में नवपद ओली का शुभारंभ होगा।

'युवाचार्य महेन्द्रऋषि अनंत गुणों की खान हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी के सान्निध्य में युवाचार्य महेन्द्रऋषिजी म.सा का 58 वाँ जन्मोत्सव द सामायिक व धर्म ध्यान, गुणानुवाद से मनाया गया। साध्वी सुयशाजी ने एक गीतिका से शुभकामनाएं दीं। साध्वी सुधाकंवरजी ने जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनके जीवन के बारे मे अनेक बातें बताई। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने युवाचार्य के बारे में कहा कि समय समय पर इसी चरित्र विभूतियों के गुण स्मरण करने से हमारे आस पास धर्म का वातावरण बनता है। युवाचार्यश्री अनंत गुणों की खान है। उनके गुणों का बखान करने हम साधारण व्यक्तियों के लिए असंभव है। युवाचार्य अत्यंत विद्वान, सरल, आगम ज्ञाता, सहृदयी एवं वात्सल्य की मूर्ति स्वरुप हैं। इस मौके पर शहर के विभिन्न संघों के पदाधिकारी धर्मसभा में उपस्थित हुए। अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। गजेंद्र चंडालिया एवं जयंतीलाल ओस्तवाल ने विचार व्यक्त किए। युवा संघ अध्यक्ष शंकरलाल दक ने सभी को धन्यवाद दिया।

अग्रवाल समाज के 'काव्य कलश' कवि सम्मेलन में लगे हंसी के ठहाके

अग्रसेन जयंती के मौके पर आयोजित हुआ काव्य सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अग्रवाल समाज कर्नाटक के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को जेपी नगर स्थित आर वी डेंटल कॉलेज के ऑडिटोरियम में हास्य काव्य सम्मेलन 'काव्य कलश' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बसंल, सचिव सतीश गोयल, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल एवं सतपाल गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, बिपिनराम अग्रवाल ने द्वीप प्रज्वलन कर कवि सम्मेलन की कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के विशेष सहयोगी संजय जालान व विनोदकुमार सिंघल का सम्मान किया गय। कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवि पद्मश्री डॉ सुरेन्द दुबे, डॉ सुनील जोगी, महेश दुबे, राजेश चेतन व डॉ कीर्ति काले, रुचि चतुर्वेदी ने हास्य और वीर रस की कविताओं से उपस्थित श्रोताओं का खूब मनोरंजन किया।

डॉ सुनील जोगी ने जब अपने व्यंग्य रस के माध्यम से विभिन्न विषयों पर तीखे कटाक्ष करते हुए काव्य पाठ किया। सभी आमंत्रित कविगणों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ चंद्रप्रकाश रामसिसरिया, पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, मदनलाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ललित गुप्ता, संजय जालान, संजय तायल, नरेश गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, अंकित मोदी सहित कई गणमान्य लोगों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम का आनन्द लिया। अध्यक्ष सुभाष बंसल ने पर्यावरण जागरुकता के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने की प्रेरणा दी। मंच संचालन सतीश गोयल ने किया तथा सभी को धन्यवाद दिया।

भजन संध्या में भक्ति गीतों व भजनों से झूम उठा सुसवाणी धाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड़ स्थित श्री सुसवाणी माताजी धाम में नवरात्रि महोत्सव के चौथे दिन विराट भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। सुराणा संघ व भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भक्ति संध्या में अशोक सुराणा के नमस्कार महामंत्र का स्मरण किया। बिहार से आई डिंपल भूमि ने एक से बढ़कर एक भक्तिगीतों और भजनों की प्रस्तुतियां दी। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम में भक्ति संध्या के मुख्य प्रायोजक गौतमचंद जतनराज रोहित सुराणा परिवार व पैदल यात्रा के लाभार्थी छीत्तरमल रतनलाल सुराणा परिवार का सम्मान संघ चेयरमैन दिलीप सुराणा, अध्यक्ष महीपाल सुराणा, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सुराणा, सरदारमल सुराणा, उपाध्यक्ष डालमचंद सुराणा, सलाहकार जयंत सुराणा, धर्मचंद सुराणा ने किया । कार्यक्रम की शुरुआत में चातुर्मास के दौरान अट्ठाई एवं उसके ऊपर की तपस्या करने वाले सुराणा गौत्र के तपस्वियों का भी सम्मान किया गया। भक्ति संध्या के अंत में स्थानीय कलाकार रामू सिसोदिया के स्वर के साथ माता को चुंदड़ी अर्पण करने का कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बना। महाआरती में शहर के विभिन्न उपनगरों से आए भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की व्यवस्था में नाहरमल जोजावर, सोहनलाल मुंड़ारा, नरेन्द्र कुमार सोजत सिटी, किशोर कुमार मालुर, मोहित बीकानेर सुराणा यूथ ग्रुप के विकास, धीरज, प्रदीप, गौतम, यश व सरगम ग्रुप ने विशेष सहयोग दिया।

जीवन विज्ञान से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में स्थानीय अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का समापन जीवन विज्ञान दिवस के रुप में केआरपुरम स्थित सरकारी फर्स्ट ग्रेड कॉलेज में हुआ। अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्षा शांति सकलेचा ने कहा कि स्कूली शिक्षा के साथ-साथ अगर जीवन विज्ञान न हो तो शिक्षा अधूरी है। इससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता केआर पुरम गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रतिभा पार्श्वनाथ ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि वे स्वयं कई वर्षों से अणुव्रत से जुड़ी हुई है एवं जीवन विज्ञान पर अध्ययन कर रही हैं। मुख्य वक्ता अणु विभा कर्नाटक जीवन विज्ञान प्रभारी ललित आच्छा ने जीवन विज्ञान की महत्वता बताते हुए कहा कि जीवन विज्ञान रोजाना जिंदगी जीने की कला सिखाता है। चंद्रशेखरय्या ने अणुव्रत के नियमों की जानकारी देते हुए उन्हें पालन करने हेतु प्रेरणा दी। इस अवसर पर मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, संगठन मंत्री निर्मल पोखरणा, अणु विभा से सुरेश दक, समिति सदस्य किरण वैष्णव, कविता जैन, महावीर बोल्या, कॉलेज अध्यापक अध्यापिकाओं सहित विद्यार्थियों ने लाभ लिया।शांतिलाल पोरवाल ने संचालन व सुमित्रा बरडिया ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com